आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 335 | उज्जैन, रविवार 26 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

जनजातीय समुदाय की समृद्धि के लिए संकल्पित राज्य सरकार-मुख्यमंत्री

विकास के हर क्षेत्र आगे बढ़ रहा जनजातीय समुदाय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार जनजातीय समुदाय की समृद्धि के लिए संकल्पित है। सरकार के रणनीतिक प्रयासों से विकास के हर क्षेत्र में जनजातीय समुदाय आगे बढ़ रहा है। जनजातीय कल्याण की योजनाओं के लिए बजट बढ़ाकर 47 हजार 295 करोड़ किया गया है जो पिछले वर्ष से 6,491 करोड़ रूपये ज्यादा है। सरकार के सतत् प्रयासों से मध्यप्रदेश आज जनजातीय कल्याण के क्षेत्र में देश का अग्रणी प्रदेश बनकर उभर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समुदायों को आर्थिक विकास के भरपूर अवसर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सबका साथ-सबका विकास दर्शन अपनाते हुए जनजातीय समुदायों योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विशेष रूप से पिछ़डी और कमजोर जनजातियों (पीवीटीजी) के समग्र विकास और कल्याण के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने कई ऐतिहासिक प्रयास और नवाचार किए हैं। जनजातीय समुदाय के जीवन स्तर को गुणवत्तापूर्ण बनाने और देशज संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए समर्पित प्रयास किए गए हैं। परिणामस्वरूप जनजातीय समुदाय को न केवल अपने अधिकार मिले हैं, बल्कि संस्कृति की भी रक्षा हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा के लोकव्यापीकरण के जरिए जनजातीय युवाओं को चयन प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के अवसर दिए जा रहे हैं। उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए आजीविका के नए-नए विकल्प और जरूरी साधन भी दिए जा रहे हैं। आदि संस्कृति को आजीविका से जोड़ने की पहल की गई है।

जनजातीय समुदायों के जन, जल, जंगल, जमीन और वन्यप्राणियों की नैसर्गिक सुरक्षा के अधिकार से लेकर वन अधिकार पत्र और इनकी आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक संरक्षण के लिए भी सरकार ने व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है।

पेसा नियमों से सशक्त हुई ग्राम सभाएं-मध्यप्रदेश में पेसा नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन से जनजातीय ग्राम सभाओं को अपने जैविक संसाधनों, भूमि, जल, वन और पारम्परिक व्यवस्थाओं पर अधिकार प्राप्त हुए हैं। अब ग्राम सभाएं विकास योजनाओं में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं, जिससे जनजातीय अंचलों में स्वशासन की दिशा में एक सशक्त आधार स्थापित हुआ है। वे अपने गांवों की विकास योजनाएं खुद बना रही हैं।

कौन हैं SC के पूर्व जस्टिस दीपक वर्मा, क्या उनकी गवाही आएगी नीरव मोदी के काम? माल्या केस में भी थे गवाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंदन में चल रहे नीरव मोदी के प्रत्यर्पण मामले में नया मोड़ आया है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस दीपक वर्मा ने नीरव मोदी के पक्ष में एक विशेषज्ञ राय दी है। इसी राय के आधार पर नीरव मोदी ने अपने प्रत्यर्पण मामले को दोबारा खोलने की अपील की है।

हिन्दुस्तान टाइम्स ने सूत्रों ने अनुसार बताया कि, वर्मा ने अपने मत में नीरव मोदी की इस दलील का समर्थन किया है कि अगर उसे भारत लाया गया तो कई एजेंसियां उससे पूछताछ करेंगी और उसे भारत की न्यायिक व्यवस्था में निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिलेगी।

दीपक वर्मा पहले भी लंदन में विजय माल्या के दिवालियापन केस में भारतीय बैंकों के खिलाफ गवाही दे चुके हैं। माल्या उस केस में हार गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि विशेषज्ञ गवाह ने हमारी जेल व्यवस्था और न्यायिक प्रणाली पर सवाल उठाए हैं। जब इस पर दीपक वर्मा ने पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं चल रहे मामलों पर टिप्पणी नहीं करता। जैसा 19 सितंबर को रिपोर्ट हुआ था, लंदन की वेस्टमिन्सटर कोर्ट ने अगस्त में मोदी की अपील स्वीकार कर ली है और अब इस पर सुनवाई 23 नवंबर को होगी। भारत सरकार ने इस मामले को खत्म करने की मांग करते हुए ब्रिटेन को आश्वासन पत्र भेजा है, जिसमें कहा गया है कि यदि नीरव मोदी को भारत भेजा गया तो उससे केवल मुकदमे के तहत पूछताछ की जाएगी और कोई अन्य एजेंसी उसे हिरासत में नहीं लेगी।

मुंबई जाना है तो मराठी बोलना पड़ेगा, जमीन के बाद आसमान में मराठी भाषा को लेकर बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के स्थानीय लोगों द्वारा हाल के महीनों में राज्य के बाहर से आए लोगों को मराठी में बात करने के लिए मजबूर करने की कई घटनाएं सामने आई। इस दौरान जो लोग मराठी नहीं बोल पा रहे थे,उनको धमकाया गया और उनके साथ मारपीट भी की गई। वहीं, अब चौंकाने वाली घटना कोलकाता से मुंबई जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट से सामने आई है। दरअसल, घटना 23 अक्टूबर शुक्रवार की है। जब कोलकाता से मुंबई जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट AI676 में सफर कर रही महिला एक युवक से सिर्फ इसलिए बहस करने लगी, क्योंकि उसने मराठी में बात नहीं की। युवक ने विनम्रता से कहा कि उसे मराठी नहीं आती। इस पर महिला भड़क गई और बोली, आप मुंबई जा रहे हैं, तो मराठी आनी चाहिए।

इस घटना की वीडियो पीड़ित यात्री माही खान ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो शेयर करने वाले पीड़ित यूट्यूबर हैं और वो पिछले 4 सालों से मुंबई रहते हैं। उन्होंने बताया कि वे हमेशा हिंदी या अंग्रेजी में बात करते हैं।

PM मोदी का प्रवास छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का अवसर, सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी हो; CM साय

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी छत्तीसगढ़ प्रवास के मद्देनजर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर में विभिन्न कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ आगमन राज्य के लिए गौरव का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस दौरान प्रत्येक व्यवस्था उत्कृष्टता का प्रतीक बने और प्रदेश की संस्कृति, आत्मगौरव एवं प्रगति की झलक हर स्थल पर दृष्टिगोचर हो।

मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न स्थलों का किया निरीक्षण- मुख्यमंत्री साय ने सबसे पहले नवा रायपुर स्थित सत्य साई हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा, सभागार व्यवस्था, मंच और आमंत्रित अतिथियों के बैठने की व्यवस्था का जायजा लिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ध्यान केंद्र पहुँचे, जहाँ उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने ध्यान केंद्र के सभागार, मेडिटेशन रूम एवं बाहरी परिसर का निरीक्षण करते हुए सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

ट्राइबल म्यूजियम बनेगा जनजातीय अस्मिता का अमर प्रतीक- मुख्यमंत्री साय ने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय जनजातीय समाज की वीरता, बलिदान और अस्मिता का अमर प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि संग्रहालय के प्रत्येक अनुभाग को इस प्रकार तैयार किया जाए कि वह आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली अध्याय से गहराई से परिचित करा सके।

छठ पर चक्रवाती तूफान मोंथा का अलर्ट, बंगाल-ओडिशा समेत इन राज्यों में होगी भारी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा में चक्रवाती तूफान के खतरे को देखते हुए राज्य की आपदा प्रबंधन टीमें हाई अलर्ट पर हैं। बंगाल की खाड़ी में बन रहा निम्न दबाव 27 अक्टूबर से राज्य में भारी बारिश ला सकता है। हालांकि, चक्रवात का सीधा असर ओडिशा पर नहीं पड़ेगा, लेकिन राज्य में तेज हवाओं और भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

राज्य के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि सरकार पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने बताया, ओडिशा प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील है और बारिश, बाढ़ व चक्रवात यहां आम हैं। हम 28 या 29 अक्टूबर को संभावित चक्रवात के लिए तैयार हैं। स्वास्थ्य, जल संसाधन, ऊर्जा और कृषि विभागों को सतर्क रखा गया है।

की गई है उचित व्यवस्था- मंत्री ने बताया कि जिला प्रशासन ने राहत केंद्र, निकासी और जरूरी सामान की व्यवस्था कर ली है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं और सरकार के निर्देशों का पालन करें।

भारतीय मौसम विभाग ने 24 अक्टूबर को बताया कि बंगाल की दक्षिण-पूर्वी खाड़ी में निम्न दबाव क्षेत्र बना है, जो 25 अक्टूबर तक डिप्रेशन और 27 अक्टूबर तक साइक्लोनिक स्टॉर्म में बदल सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि यह तूफान आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ सकता है, लेकिन ओडिशा में 27 से 29 अक्टूबर तक भारी बारिश होगी। राज्य में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मानव संसाधन के निर्यात में विश्वगुरु बनने की तैयारी में भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अब केवल वस्तुओं का नहीं, बल्कि मानव संसाधन का भी सबसे बड़ा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश की युवा आबादी, जो स्थानीय नौकरी बाजार में पूरी तरह समाहित नहीं हो पा रही, विकसित देशों की श्रमिक कमी को पूरा करने के लिए तैयार की जा रही है। यूरोप, खाड़ी और एशिया के कई देशों में आबादी घट रही है और श्रमिकों की भारी कमी है, वहीं भारत के पास लाखों प्रशिक्षित युवा हैं जो वैश्विक कार्यबल को नई ऊर्जा दे सकते हैं। इसी अंतर को अवसर में बदलने के लिए भारत सरकार अब बड़े पैमाने पर अपने कुशल और अर्द्ध-कुशल श्रमिकों को विदेशों में रोजगार दिलाने की दिशा में कदम उठा रही है।

मुंबई के राजभवन में मोदी का मिशन पुस्तक का लोकार्पण, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री समारोह में शामिल हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, विचारों और कार्यशैली पर आधारित पुस्तक मोदी का मिशन का आज लोकार्पण किया गया। इसके लिए मुंबई के राजभवन में भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपस्थित हुए।

प्रसिद्ध वकील और लेखक बर्जिस देसाई की यह पुस्तक पीएम मोदी के जीवन को एक विचार की कहानी के रूप में प्रस्तुत करती है जो राष्ट्रीय पुनर्जागरण और आत्मनिर्भर भारत का विचार है। लेखक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को विकसित भारत के पुनरुद्धार के उद्देश्य से मिशन के रूप में वर्णित करते हैं।

देसाई ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दृढ़ संकल्प और उद्देश्य के माध्यम से शुरुआती पूर्वाग्रहों और झूठे आख्यानों पर विजय प्राप्त की। यह पुस्तक अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने, जीएसटी के कार्यान्वयन, विमुद्रीकरण और पारदर्शी शासन की दिशा में प्रयासों सहित प्रमुख नीतिगत निर्णयों का विश्लेषणात्मक विवरण प्रस्तुत करती है।

इस अवसर पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि जो व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी अपना रास्ता स्वयं बनाता है, वह वास्तव में महान होता है और पीएम मोदी ने ठीक वैसा ही किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी ने कई जटिल राष्ट्रीय मुद्दों को शांतिपूर्वक और बिना किसी विवाद के सुलझाया है, और उनके नेतृत्व ने दुनिया भर में भारत और भारतीयों का सम्मान बढ़ाया है।

सीएम फडणवीस ने पुस्तक की बताई विशेषता- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मोदी का मिशन पुस्तक प्रधानमंत्री मोदी के जीवन और दृष्टिकोण को विस्तार से प्रस्तुत करती है, यह दर्शाती है कि उन्होंने अपने मिशन को कैसे परिभाषित किया और उसे प्राप्त करने के लिए कैसे अडिग रहे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने की नींव रखी है, गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि जहाँ 20वीं सदी महात्मा गांधी की थी, वहीं 21वीं सदी नरेंद्र मोदी की है।

अफगानिस्तान से बुर्के में छिपकर भागा था लादेन, पूर्व CIA अधिकारी का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के न्यूयार्क शहर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला करने वाले खूंखार आतंकी संगठन अल-कायदा के संस्थापक ओसामा बिन लादेन को लेकर सीआईए के पूर्व अधिकारी जॉन किरियाको ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि लादेन को पकड़ने के लिए अमेरिकी सेना को काफी मशक्कत करनी पड़ी। लेकिन वो एक महिला के वेश में बुर्के में अपना मुंह छिपाकर भाग गया था।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी, सीआईए के पूर्व अधिकारी जॉन किरियाको ने बताया कि ओसामा बिन लादेन, जो 11 सितंबर, 2001 के आतंकवादी हमलों के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सर्वाधिक वांछित आतंकवादी था, एक महिला के वेश में तोरा बोरा पहाड़ियों से भागा था।

एएनआई को दिए साक्षात्कार में, किरियाको ने यह भी बताया कि अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड के कमांडर का अनुवादक वास्तव में अल कायदा का ऑपरेटिव था, जिसने अमेरिकी सेना में घुसपैठ की थी और उसी ने ओसामा बिन लादने को भागने में मदद की थी।

तोरा बोरा में घिर गया था लादेन- पूर्व सीआईए अधिकारी जॉन किरियाको ने बताया कि कई बार अमेरिकी सेना को लगा कि लादेन अब उनके हाथ आ गया, लेकिन वह फिर बच निकलता था। हमें अक्टूबर 2001 में यकीन था कि हमने ओसामा बिन लादेन और अल-क़ायदा नेतृत्व को तोरा बोरा में घेर लिया है। लेकिन हमें यह नहीं पता था कि सेंट्रल कमांड के कमांडर का अनुवादक असल में एक अल-क़ायदा ऑपरेटिव था जिसने अमेरिकी सेना में घुसपैठ की थी। इसलिए हमें पता था कि हमने बिन लादेन को घेर लिया है।

हमने उसे पहाड़ से नीचे आने को कहा। जिसके बाद उसने अनुवादक के जरिए कहा कि क्या आप हमें सुबह होने तक का समय दे सकते हैं हम महिलाओं और बच्चों को निकालना चाहते हैं और फिर नीचे आकर हार मान लेंगे। अनुवादक ने जनरल फ्रैंक्स को इस विचार के लिए राजी करा लिया। आखिरकार हुआ यह कि बिन लादेन ने महिला का वेश धारण किया और अंधेरे की आड़ में एक पिकअप ट्रक के पीछे बैठकर पाकिस्तान भाग गया।

उन्होंने कहा कि जब भोर में सूरज निकला, तो तोरा बोरा में हार मानने वाला कोई नहीं था। वे सभी भाग चुके थे। इसलिए हमें लड़ाई को सीधे पाकिस्तान ले जाना पड़ा। बाद में, अमेरिका ने मई 2011 में उत्तरी पाकिस्तान के शहर एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन का पता लगाया। 2 मई को अमेरिकी विशेष बलों ने उसके सुरक्षित घर पर छापेमारी के दौरान उसे मार गिराया।

अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड डील पर बनेगी बात? दक्षिण कोरिया में होगी चिनफिंग और ट्रंप की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और अमेरिका के बीच नई दौर की व्यापार वार्ता शनिवार को मलेशिया में शुरू हुई, दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने इसकी पुष्टि की है। यह बातचीत उस समय हो रही है जब अगले हफ्ते साउथ कोरिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात होने वाली है।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने पहले ही बताया था कि उपप्रधानमंत्री ही लिफेंग मलेशिया में सोमवार तक अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करेंगे। शनिवार को समाचार एजेंसी स्नक्क के पत्रकारों ने ही लिफेंग और उनके दल को दुनिया की सबसे ऊंची इमारत मर्देका 118 प्रवेश करते देखा, जहां बैठक आयोजित की गई थी।

वे बिना मीडिया से बात किए लॉबी से होकर अंदर गए, जबकि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने अलग प्रवेश द्वार से इमारत में प्रवेश किया था। इमारत के कर्मचारियों ने बताया कि दोनों दल 92वें फ्लोर पर बैठक कर रहे थे।

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब टैरिफ युद्ध को और बढ़ाने से रोकने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अगले गुरुवार को शी चिनफिंग से साउथ कोरियां में मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने कहा कि वे अच्छा समझौता करना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने पहले यह बैठक रद करने की धमकी दी थी। यह मुलाकात एशया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन के दौरान होगी, जो 31 अक्टूबर से शुरू हो रहा है।

इटली में कैथोलिक पादरियों पर 4,400 लोगों से यौन शोषण का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इटली में 2020 से रिपोर्ट किए गए मामलों में कैथोलिक पादरियों पर लगभग 4,400 लोगों के यौन शोषण का आरोप लगाया गया है। यह दावा पीड़ितों के एक समूह ने शुक्रवार को किया है।

दुर्व्यवहार पीड़ितों के समूह रेटे लअबुसो द्वारा दिया गया आंकड़ा पीड़ितों के बयानों, न्यायिक स्त्रोतों और मीडिया द्वारा रिपोर्ट किए गए मामलों पर आधारित है। रेटे लअबुसो ने यह नहीं बताया कि दुर्व्यवहार के मामले कितने समय पहले घटित हुए थे।

एक प्रवक्ता ने कहा कि इतालवी बिशप सम्मेलन ने निष्कर्षों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वैश्विक कैथोलिक चर्च दशकों से बाल यौन शोषण करने वाले पादरियों और उनके अपराधों के ढकने की कोशिश कर रहा है। इटली में स्थानीय चर्च ने इस मुद्दे का सामना करने में कम तत्परता दिखाई है।

नए पोप लियो ने इस सप्ताह पहली बार पादरियों द्वारा यौन शोषण के शिकार लोगों से मुलाकात की। उन्होंने चर्च के नए बिशपों को ऐसे आरोपों को छिपाने से मना किया है। उनके पूर्ववर्ती दिवंगत पोप फ्रांसिस ने इस मुद्दे को अपने 12 वर्षीय पापल कार्यकाल की प्राथमिकता बनाई, लेकिन इसके परिणाम मिश्रित रहे।

मुशर्रफ को हमने खरीद लिया था, US के पास थी पाक के परमाणु हथियारों की चाबी; CIA के पूर्व अधिकारी का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी खुफिया एजेंसी, सीआईए के पूर्व अधिकारी जॉन किरियाको ने पाकिस्तान को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। समचार एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि जब मैं 2002 में पाकिस्तान में तैनात था, तो मुझे अनौपचारिक रूप से बताया गया था कि पेंटागन पाकिस्तानी परमाणु शस्त्रागार को नियंत्रित करता है। परवेज मुशर्रफ ने हथियार नियंत्रण संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया, क्योंकि उन्हें परमाणु हथियारों के आतंकवादियों के हाथों में जाने का डर था।

पूर्व सीआईए अधिकारी जॉन किरियाको ने कहा है कि पाकिस्तान भ्रष्टाचार में इतना डूबा हुआ था कि पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो खाड़ी देशों में विलासितापूर्ण जीवन जी रही थीं, जबकि आम लोग भूख से मर रहे थे। इस दौरान अमेरिका ने पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के नेतृत्व में पाकिस्तान को लाखों डॉलर दिए, एक तरह से उन्हें खरीद लिया।

15 साल तक सीआईए अधिकारी के रूप में काम करने वाले किरियाको ने कहा कि पाकिस्तानी सरकार के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे थे। उस समय जनरल परवेज मुशर्रफ थे।

संसद हमले के बाद भारत-पाकिस्तान में होने वाला था युद्ध, पूर्व US अधिकारी का दावा

अमेरिकी खुफिया एजेंसी, सीआईए के पूर्व अधिकारी जॉन किरियाको ने एएनआई को दिए इंटरव्यू में भारत पाकिस्तान का जिक्र किया है। किरियाको ने 9/11 के बाद पाकिस्तान में आतंकवाद-रोधी अभियानों का नेतृत्व करते हुए बिताए अपने वर्षों का जिक्र किया। उन्होंने इस्लामाबाद के साथ वाशिंगटन के असहज गठबंधन, आतंकवादी नेटवर्क के उदय और 2002 में ऑपरेशन पराक्रम के दौरान भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर बातचीत की।

पूर्व सीआईए अधिकारी जॉन किरियाको ने कहा कि हमें विश्वास था कि 2002 में भारत और पाकिस्तान युद्ध में उतरेंगे। इसलिए परिवार के सदस्यों को इस्लामाबाद से निकाल लिया गया था।

किरियाको ने दिसंबर 2001 में संसद पर हुए हमले के बाद ऑपरेशन पराक्रम को याद करते हुए कहा कि विदेश उप-सचिव आए और दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच आते-जाते रहे और एक समझौते पर बातचीत की, जिसके बाद दोनों पक्ष पीछे हट गए। लेकिन हम अल-कायदा और अफगानिस्तान में इतने व्यस्त और केंद्रित थे कि हमने भारत के बारे में कभी सोचा ही नहीं।

पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा था- 2008 के मुंबई हमलों पर विचार करते हुए किरियाको ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह अल-कायदा है। मुझे लगता है कि यह पाकिस्तान समर्थित कश्मीरी समूह है। और यही बात साबित हुई। असल बात यह थी कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा था और किसी ने कुछ नहीं किया।

आजाद वेनेजुएला में पीएम मोदी की मेजबानी के लिए तैयार हूं; नोबेल विजेता मचाडो ने और क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मारिया कोरीना माचादो, पिछले 20 सालों से वेनेजुएला में लोकतंत्र बहाली की लड़ाई लड़ रही हैं उन्होंने भारत की जमकर तारीफ की है। एक गुप्त स्थान से टाइम्स नाउ को दिए इंटरव्यू में (क्योंकि वह पिछले 15 महीनों से छिपकर रह रही हैं) माचादोने कहा, भारत एक महान लोकतंत्र है और दुनिया के लिए एक उदाहरण है। लोकतंत्र को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत, वेनेजुएला का एक बड़ा सहयोगी बन सकता है जब देश में शांतिपूर्ण ढंग से सत्ता परिवर्तन होगा। माचादो ने यह भी कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने और जल्द ही स्वतंत्र वेनेजुएला में उन्हें आमंत्रित करने की उम्मीद करती हैं।

माचादो ने भारत के प्रति अपना गहरा सम्मान जताते हुए कहा, मैं पूरे दिल से भारत की प्रशंसा करती हूं। मेरी बेटी बाल ही में भारत गई थी और उसे यह देश बहुत पसंद आया। उन्होंने बताया कि उनके कई वेनेजुएलन मित्र भारत में रहते हैं और वह खुद भारतीय राजनीति को नजदीक से फॉलो करती हैं।

महात्मा गांधी के बारे में उन्होंने कहा, गांधी ने दिखाया कि शांतिपूर्ण कमजोरी नहीं है। अहिंसा से भी आजादी हासिल की जा सकती है। माचादो ने कहा कि वे चाहती हैं कि भारत एक बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में वेनेजुएला के लोगों के अधिकारों के समर्थन में आवाज उठाए।

2024 के राष्ट्रपति चुनावों पर बोलते हुए माचादो ने दावा किया कि निकोलस मादुरो सरकार ने चुनाव चुरा लिया।

सिंगापुर में भारतीय नर्स को क्यों मिली दो कोड़े मारने की सजा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंगापुर के प्रतिष्ठित रैफल्स अस्पताल में कार्यरत भारतीय नागरिक नर्स पर पुरुष के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा है। छेड़छाड़ के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद भारतीय नागरिक नर्स को 14 महीने की जेल और दो बेंत की सजा सुनाई गई है।

दरअसल, 34 वर्षीय एलीप सिवा नागू जो भारतीय नागरिक है, सिंगापुर के एक बड़े अस्पताल में नर्स के पद पर काम करता है। उस पर आरोप था कि वह रैफल्स अस्पताल में आए एक पुरुष आगंतुक से डिसइंफेक्ट करने के बहाने अनुचित हरकत की। अपराध के तुरंत बाद उसे नर्सिंग ड्यूटी से निलंबित कर दिया गया था।

कोर्ट ने सुनाई सजा

द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद सिंगापुर की कोर्ट ने शुक्रवार को उसे 1 साल और 2 महीने की जेल की सजा सुनाई। सुनवाई के दौरान कोर्ट बताया गया कि इस अपराध के कारण पीड़िता को घटना की यादें ताजा हो गई। हालांकि, पीड़ित के बारे में विवरण, जिसमें उसकी उम्र भी शामिल है, अदालती दस्तावेजों से हटा दिया गया था।

पूरी घटना- उप लोक अभियोजक यूजीन फुआ ने कहा कि पीड़ित 18 जून को अपने दादा से मिलने नॉर्थ ब्रिज रोड स्थित अस्पताल गया था, जो वहां भर्ती थे। शाम करीब 7.30 बजे, पीड़ित एक मरीज के शौचालय में घुसा और जब वह शौचालय इस्तेमाल कर रहा था, तो एलीप ने अंदर झांका।

डीपीपी फुआ ने बताया कि पीड़ित को कीटाणुरहित करने के बहाने, एलीप ने उसके हाथ पर साबुन लगाया और उसके साथ छेड़छाड़ की। अदालत को बताया गया कि चौंका हुआ पीड़ित सदमे में होने के कारण हिल-डुल नहीं पाया। बाद में, पीड़ित अपनी इस दरिंदगी के बाद अपने दादा के बिस्तर के पास लौट आया।

बस से कूदा और फिर... कुरनूल अग्निकांड में ड्राइवर ने पुलिस को क्या-क्या बताया?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुरनूल बस हादसे में 20 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। इस दर्दनाक बस हादसे की जांच जारी है। जांच के दौरान पुलिस ने बस के ड्राइवर और सहायक को हिरासत में ले लिया है। जिसने आग लगने के बाद बस से कुदकर अपनी जान बचा ली थी।

कुरनूल के पुलिस अधीक्षक विक्रांत पाटिल ने पीटीआई-भाषा को बताया कि जैसे ही आग लगी और बस रुकी, ड्राइवर मिरियाला लक्ष्मैया और उसका सहायक कूदकर बाहर आ गया। लेकिन उसे इस भयावह आग का अंदाजा नहीं था। इसके बाद उसने बस के निचले हिस्से में आगे और पीछे के पहियों के बीच लगेज रैक में सो रहे अतिरिक्त ड्राइवर को जगाया।

एसपी विक्रांत पाटिल ने बताया कि जब ड्राइवर को एहसास हुआ कि वे गाड़ी में घुस नहीं सकते, तो चालकों ने मिलकर टायर बदलने वाली रॉड से खिड़कियों के शीशे तोड़ने शुरू कर दिए, जिससे कुछ यात्री आग से बच निकलने में कामयाब हो गए।

उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने कुछ और खिड़कियों के शीशे भी तोड़ दिए, जबकि कुछ अन्य शीशे घबराए हुए यात्रियों ने अंदर से तोड़ दिए। हालांकि, आग भड़कती रही और पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे डरे हुए लक्ष्मैया मौके से भाग गए।

पुलिस ने ड्राइवर और उसके सहयोगी को शुक्रवार दोपहर कुरनूल से हिरासत में लिया। उन्हें इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। पुलिस ने लक्ष्मैया पर लापरवाही और तेज गति से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया है।

RPSC सचिव बनकर फर्जी पोस्ट डालने पर FIR दर्ज, सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान लोक सेवा आयोग सचिव के पदनाम से सोशल मीडिया पर एक कूटरचित (फर्जी) पोस्ट डालने और आयोग की ख्याति को हानि पहुंचाने का प्रयास करने के संबंध में सिविल लाइंस पुलिस थाना, अजमेर में आयोग सचिव रामनिवास मेहता द्वारा अज्ञात व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया है। आयोग सचिव ने अपनी शिकायत में स्पष्ट किया है कि आयोग द्वारा 15 अक्टूबर 2025 को आरएएस परीक्षा 2023 का अंतिम परिणाम जारी कर आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया था।

डाली गई जाली पोस्ट- इसके पश्चात, 16 अक्टूबर 2025 को सोशल मीडिया पर किसी समाज कंटक द्वारा एक जाली पोस्ट डाली गई, जिसे आयोग सचिव के अधिकृत हस्ताक्षर से जारी किया जाना दर्शायागया। आयोग सचिव के हवाले से जारी यह पोस्ट पूर्णतया फर्जी है और इस प्रकार का कोई भी दस्तावेज या रिकॉर्ड आयोग द्वारा जारी नहीं किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि फर्जी पोस्ट डालने वाले व्यक्ति ने न केवल फर्जी रिकॉर्ड बनाया है, बल्कि ऐसा करके उसने सामाजिक सौहार्द पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है और लोक शांति में जानबूझकर विघ्न डालने का प्रयास किया है।

बीजापुर में नक्सलियों ने की दो ग्रामीणों की धारदार हथियार से हत्या, घटना के दिन क्षेत्र के दौरे पर थे डिप्टी CM

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात माओवादियों ने एक बार फिर खूनी खेल खेलते हुए दो निर्दोष ग्रामीणों की निर्मम हत्या कर दी। ग्राम नेलाकांकेर के रवि कटटम (25) पिता कन्ना और तिरूपति सोढी (38) पिता नरसा को माओवादियों ने धारदार हथियार से वार कर मार डाला।

घटना की सूचना मिलते ही थाना उसूर पुलिस दल मौके के लिए रवाना हुआ और पूरे क्षेत्र में सघन सर्चिंग अभियान शुरू कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की पुष्टि की जा रही है तथा आसपास के गांवों में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

बीजापुर प्रवास पर थे डिप्टी सीएम- उल्लेखनीय है कि राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा शुक्रवार को ही बीजापुर प्रवास पर थे। उनके लौटते ही माओवादियों ने इस घटना को अंजाम दिया है।

एक ओर जहां लगातार माओवादी आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौट रहे हैं, वहीं दूसरी ओर संगठन ग्रामीणों की हत्याओं के जरिये अपनी मौजूदगी जताने की कोशिश कर रहा है। इस वर्ष अब तक बस्तर अंचल में माओवादी 37 से अधिक ग्रामीणों की हत्या कर चुके हैं।

सुरक्षा बलों ने सर्चिंग अभियान किया तेज- इस ताजा घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और भय का माहौल व्याप्त है, जबकि सुरक्षा बलों ने सर्चिंग और माओवादी विरोधी अभियान को और तेज कर दिया है।

रेल पटरी को ब्लास्ट में उड़ाने वाला माओवादी एनकाउंटर में ढेर, झारखंड में था एक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के कोकराझार जिले में पुलिस और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक वांछित उग्रवादी मारा गया। यह मुठभेड़ सलकटी पुलिस चौकी क्षेत्र के नदांगुरी इलाके में हुई। मारे गए उग्रवादी की पहचान अपिल मुर्मू उर्फ रोहित मुर्मू के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि वह हाल ही में कोकराझार रेलवे ट्रैक पर हुए धमाके का मुख्य आरोपी था।

पुलिस के अनुसार, मुर्मू पहले झारखंड में भी बम धमाके की घटना में शामिल था। पिछले साल अक्टूबर में उसने झारखंड के एक रेलवे ट्रैक पर विस्फोट किया था और उसके बाद असम भाग गया था। झारखंड में वह रोहित मुर्मू के नाम से जाना जाता था, जबकि असम में वह अपिल मुर्मू के नाम से रहता था। वह कोकराझार जिले के कचुगांव ग्रामपुर के निवासी था और झारखंड तथा असम दोनों राज्यों में उसके संपर्क थे।

पुलिस के मुताबिक, मुर्मू पहले नेशनल संथाल लिबरेशन आर्मी नामक उग्रवादी संगठन का सदस्य था। जब संगठन ने आत्मसमर्पण किया, जब उसने सरेंडर नहीं किया और झारखंड भाग गया। वहां वह NASLA का कमांडेंट बना और बाद में माओवादी संगठनों से भी जुड़ गया। झारखंड पुलिस की एक टीम हाल ही में असम आई थी, क्योंकि वह 2015 से झारखंड में हिंसक घटनाओं में शामिल था।

गौरतलब है कि 23 अक्टूबर की रात करीब 1 बजे कोकराझार और सलकटी स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक पर एक संदिग्ध विस्फोट हुआ था। इससे 8 से 10 ट्रेनें देर से चलीं। रेलवे ट्रैक की मरम्मत सुबह 5.25 बजे तक पूरी कर ली गई और 5.30 बजे से सामान्य सेवा फिर शुरू हुई।

एक मालगाड़ी UP AZARA शुगर ट्रेन के ड्राइवर ने झटका महसूस किया और ट्रेन रोक दी। जांच में पाया गया कि ट्रैक और स्लीपर क्षतिग्रस्त थे, जिन्हें बम धमाके से नुकसान हुआ था। रेलवे पुलिस अधीक्षक प्रांजित बोराह ने बताया, ट्रैक पर नुकसान का पता चला है, मरम्मत पूरी कर ली गई है और ट्रेनों की आवाजाही सामान्य हो गई है।

कुरनूल बस अग्निकांड से पहले पेट्रोल पंप पर क्या कर रहा था शराबी बाइक वाला? वायरल वीडियो में नया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बस अग्निकांड में 20 लोगों की जलकर हुई मौत ने देश को झकझोर कर दिया। फिलहाल मामले की जांच जारी है। इसके बीच सोशल मीडिया पर एक सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि कुरनूल बस अग्निकांड से कुछ देर पहले एक बाइक वाला पेट्रोल पंप में घुसता है। कथित तौर पर जलकर मरने वालों में ये बाइक वाला भी शामिल था।

मृतक बाइकर की पहचान शिवशंकर के रूप में हुई है। इसी का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करके दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज में वह शराब के नशे में दिख रहा है।

सीसीटीवी फुटेज में क्या दिख रहा- सीसीटीवी फुटेज में 24 अक्टूबर को सुबह 2 बजकर 22 मिनट का समय लिखा है, जिसमें एक पेट्रोल पंप पर मोटरसाइकिल पर दो आदमी दिख रहे हैं। बाद में उनमें से एक को बाइक को धक्का देते हुए और फिर बाहर निकलते हुए देखा गया, अचानक स्पीड तेज होने की वजह से थोड़ी देर के लिए उसका बैलेंस बिगड़ गया, लेकिन फिर वह संभल गया।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की पुष्टि नहीं की है। हालांकि इसमें जो समय दिखाया गया है, वह घटना वाले समय से मैच खाता है। पुलिस के मुताबिक अग्निकांड शुक्रवार सुबह करीब ढाई से तीन बजे के करीब हुई। जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर आया एक रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि शिवशंकर उस समय शराब के नशे में था। वह उन लोगों में से एक था जिनकी मौत शुक्रवार को कुरनूल के बाहरी इलाके में हुए दुखद बस हादसे में हुई।

ट्रेन में नहीं मिली सीट तो युवक ने वॉशरूम को बनाया बेडरूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर एक अजीबोगरीब वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक यात्री ट्रेन के वॉशरूम को अपने पर्सनल बेडरूम में बदलता नजर आ रहा है। इस अनोखी हरकत ने लोगों को हैरान भी किया और हंसने पर मजबूर भी कर दिया। इंस्टाग्राम पर शेयर हुए इस वीडियो को अब तक 7.8 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। यह वीडियो कंटेंट क्रिएटर विशाल ने रेलवे प्लेटफॉर्म से रिकॉर्ड किया था। क्लिप में देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति ट्रेन के टॉयलेट में आराम से लेटा हुआ है। उसके पास उसका सारा सफर का सामान और बिस्तर भी रखा हुआ है।

लगा रही थी चारपाई- यहां तक कि वह टॉयलेट की खिड़की से एक बुनी हुई चारपाई को पकड़े हुए दिखता है, जिससे पूरा वॉशरूम किसी छोटे केबिन जैसा लग रहा है। वीडियो में विशाल की पीछे से आवाज आ रही है, जिसमें वो बोल रहा है- भाई ने वॉशरूम को बेडरूम बना दिया।

इसके बाद वीडियो बनाने वाले शख्स ने उस यात्री से सवाल भी किया कि क्या ये पूरा घर का सामान है क्या? इस पर शख्स ने हंसते हुए हां में जवाब दिया। इस वीडियो को देखकर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे मजेदार बताया और कुछ ने इसे गंदगी और सार्वजनिक संपत्ति के दुरुपयोग का मामला बताया।

लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया- एक यूजर ने लिखा, यह तो सफर का असली मजा रहे हैं, बाकी लोग खड़े रहने की जगह ढूंढ रहे हैं। तो वहीं, एक अन्य यूजर ने मजाक में कहा, अब रेलवे वाले अगला स्टेशन आते ही इसे उतार देंगे।

रेलवे का नहीं आया कोई जवाब- हालांकि, इस घटना पर रेलवे की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन यह वीडियो एक बार फिर सवाल उठाता है कि क्या ट्रेन में जगह की कमी और यात्रियों का लापरवाह रवैया ऐसे हालात के लिए जिम्मेदार हैं?

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

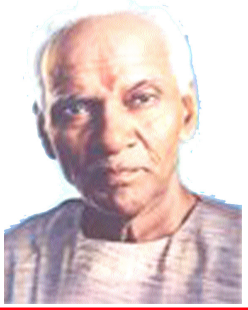

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पंचमी

संपादकीय

मलेशिया इस वर्ष आसियान की अध्यक्षता कर रहा है....

वैश्विक स्तरपर दक्षिण- पूर्व एशिया के संगठन (आसियांन) का 47 वाँ संस्करण, 26 से 28 अक्टूबर 2025 तक मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर में आयोजित होने जा रहा है। मलेशिया इस वर्ष आसियान की अध्यक्षता कर रहा है,और उन्होंने इस सम्मेलन के लिए थीम तय की है, समावेशिता एवं स्थिरता, इस थीम के अंतर्गत दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में समावेशी विकास, सामाजिक,आर्थिक पक्षों का समुचित समन्वय, और पर्यावरणीय तथा स्थिरता संबंधी चिंताओं को प्रमुखता दी जा रही है। इस आयोजन की विशेषता यह है कि इस बार आसियांन के दस सदस्य देशों के साथ-साथ अनेक संवाद साझेदार और वैश्विक शक्तियों के शीर्ष नेताओं की भागीदारी अपेक्षित है, जिससे यह सम्मेलन सिर्फ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बता दें, भारतीय पीएम इस शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे,पीएम अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण संबंधित बैठकों में भाग लेने के लिए संभवत- मलेशिया नहीं जाएंगे, मीडिया की मानें तो भारत की ओर से विदेश मंत्री इस बैठक में हिस्सा लेंगे और भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे यहां बताना जरूरी है कि इस आसियान बैठक में डोनाल्ड ट्रंप भी आ रहे हैं,ऐसे में संभावना थी कि अगर मोदी जाते हैं तो ट्रंप संग उनकी मुलाकात हो सकती थी, मगर अब मुलाकात का इंतजार बढ़ गया है।

साथियों बात अगर हम इस सम्मेलन की पृष्ठभूमि और भू-राजनीतिक महत्व को समझने की करें तोआसियान का मूल उद्देश्य है दक्षिण-पूर्व एशिया के दस सदस्य देशों ब्रुनेई, कंबोडिया,इंडोनेशिया,लाओस,मलेशिया,म्याँमार, फिलीपींस, सिंगापुर ,थाईलैंड तथा वियतनाम, में राजनीतिक -सुरक्षा,आर्थिक और सामाजिक- सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ाना। वर्ष 2025 में मलेशियाअध्यक्षत्व संभाले हुए है, जो आसियान के लिए एक अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए क्योंकि दक्षिण-पूर्व एशिया वैश्विक अर्थव्यवस्था और भू-रणनीति के बदलते केंद्रों में तेजी से उठा है, और चुनौती इसलिए क्योंकि इस क्षेत्र में अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा,रसद व आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान, जलवायु परिवर्तन, और मानवीय व राजनीतिक तनावों का दबाव लगातार बढ़ रहा है।इस सम्मेलन में न सिर्फ आसियान के दस सदस्य देश उपस्थित होंगे, बल्कि उनकी निगाहें उन डायलॉग पार्टनर देशों पर भी हैं जिनके साथ आसियान का व्यापक सामरिक-आर्थिक नेटवर्क बना हुआ है।उदाहरणस्वरूप, डोनाल्ड ट्रम्प की उपस्थिति की पुष्टि हो चुकी है,इसके अतिरिक्त, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, भारत, ऑस्ट्रेलिया, रूस जैसे बड़े बाहरी देश भी चर्चा के दायरे में हैं।यह व्यापक भागीदारी इस बात का संकेत है कि आसियान अब केवल क्षेत्रीय मंच नहीं बल्कि एक वैश्विक संवाद केंद्र बनने की प्रक्रिया में है।

साथियों बात अगर हम एजेंडा, विषय औरप्राथमिकताओं अवसरों व चुनौतियों को समझने की करें तो,थीम क़ा उद्देश्य है कि विकास का लाभ समस्त सदस्य देशों-समुदायों तक पहुँच सके और सहयोग की संरचना सतत हो।मुख्य एजेंडा में शामिल होंनें की संभावना है, दक्षिण- चीन सागर में समुद्री एवं सुरक्षा विवाद, म्याँमार में नागरिक संकट, आपूर्ति श्रृंखला व आर्थिक निर्भरताएं, डिजिटल अर्थव्यवस्था व जुड़ाव, जलवायु परिवर्तन व सतत विकास, और निस्संदेह बाहरी शक्तियों के साथ रणनीतिक संवाद।

इसके अलावा, व्यापार और निवेश को तत्परता से आगे बढ़ाने की दिशा में कदम उठाना इस शिखर सम्मेलन की बड़ी प्राथमिकता होगी क्योंकि वैश्विक आर्थिक माहौल अस्थिर हो रहा है।अवसर और चुनौतियाँ -इस सम्मेलन के माध्यम से आसियान को अनेक अवसर मिल रहे हैं।

गणेशशंकर विद्यार्थी

गणेशशंकर विद्यार्थी एक निडर और निष्पक्ष पत्रकार तो थे ही, इसके साथ ही वे एक समाज-सेवी, स्वतंत्रता सेनानी और कुशल राजनीतिज्ञ भी थे। भारत के स्वाधीनता संग्राम में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था। अपनी बेबाकी और अलग अंदाज़से दूसरों के मुँह पर ताला लगाना एक बेहद मुश्किल काम होता है। कलम की ताकत हमेशा से ही तलवार से अधिक रही है और ऐसे कई पत्रकार हैं, जिन्होंने अपनी कलम से सत्ता तक की राह बदल दी। गणेशशंकर विद्यार्थी भी ऐसे ही पत्रकार थे, जिन्होंने अपनी कलम की ताकत से अंग्रेज़ी शासन की नींव हिला दी थी। गणेशशंकर विद्यार्थी एक ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, जो कलम और वाणी के साथ-साथ महात्मा गांधी के अहिंसक समर्थकों और क्रांतिकारियों को समान रूप से देश की आज़ादी में सक्रिय सहयोग प्रदान करते रहे।

जीवन परिचय- गणेशशंकर विद्यार्थी का जन्म 26 अक्टूबर, 1890 में अपने ननिहाल प्रयाग (आधुनिक इलाहाबाद) में हुआ था। इनके पिता का नाम श्री जयनारायण था। पिता एक स्कूल में अध्यापक के पद पर नियुक्त थे और उर्दू तथा फ़ारसी खूब जानते थे। गणेशशंकर विद्यार्थी की शिक्षा-दीक्षा मुंगावली (ग्वालियर) में हुई थी। पिता के समान ही इन्होंने भी उर्दू-फ़ारसी का अध्ययन किया।

व्यावसायिक शुरुआत- गणेशशंकर विद्यार्थी अपनी आर्थिक कठिनाइयों के कारण एण्ट्रेंस तक ही पढ़ सके। किन्तु उनका स्वतंत्र अध्ययन अनवरत चलता ही रहा। अपनी मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने पत्रकारिता के गुणों को खुद में भली प्रकार से सहेज लिया था। शुरु में गणेश शंकर जी को सफलता के अनुसार ही एक नौकरी भी मिली थी, लेकिन उनकी अंग्रेज़ अधिकारियों से नहीं पटी, जिस कारण उन्होंने वह नौकरी छोड़ दी।

सम्पादन कार्य- इसके बाद कानपुर में गणेश जी ने करेंसी ऑफ़िस में नौकरी की, किन्तु यहाँ भी अंग्रेज़ अधिकारियों से इनकी नहीं पटी। अत- यह नौकरी छोड़कर अध्यापक हो गए। महावीर प्रसाद द्विवेदी इनकी योग्यता पर रीझे हुए थे। उन्होंने विद्यार्थी जी को अपने पास सरस्वती के लिए बुला लिया। विद्यार्थी जी की रुचि राजनीति की ओर पहले से ही थी। यह एक ही वर्ष के बाद अभ्युदय नामक पत्र में चले गये और फिर कुछ दिनों तक वहीं पर रहे। इसके बाद सन 1907 से 1912 तक का इनका जीवन अत्यन्त संकटापन्न रहा। इन्होंने कुछ दिनों तक प्रभा का भी सम्पादन किया था। 1913, अक्टूबर मास में प्रताप (साप्ताहिक) के सम्पादक हुए। इन्होंने अपने पत्र में किसानों की आवाज़ बुलन्द की।

लोकप्रियता- सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं पर विद्यार्थी जी के विचार बड़े ही निर्भीक होते थे। विद्यार्थी जी ने देशी रियासतों की प्रजा पर किये गये अत्याचारों का भी तीव्र विरोध किया। गणेशशंकर विद्यार्थी कानपुर के लोकप्रिय नेता तथा पत्रकार, शैलीकार एवं निबन्ध लेखक रहे थे। यह अपनी अतुल देश भक्ति और अनुपम आत्मोसर्ग के लिए चिरस्मरणीय रहेंगे। विद्यार्थी जी ने प्रेमचन्द की तरह पहले उर्दू में लिखना प्रारम्भ किया था। उसके बाद हिन्दी में पत्रकारिता के माध्यम से वे आये और आजीवन पत्रकार रहे। उनके अधिकांश निबन्ध त्याग और बलिदान सम्बन्धी विषयों पर आधारित हैं। इसके अतिरिक्त वे एक बहुत अच्छे वक्ता भी थे।

साहित्यिक अभिरुचि- पत्रकारिता के साथ-साथ गणेशशंकर विद्यार्थी की साहित्यिक अभिरुचियाँ भी निखरती जा रही थीं। आपकी रचनायें सरस्वती, कर्मयोगी, स्वराज्य, हितवार्ता में छपती रहीं। आपने 'सरस्वती' में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के सहायक के रूप में काम किया था। हिन्दी में ÷शेखचिल्ली की कहानियाँ÷ आपकी देन है। ÷अभ्युदय÷ नामक पत्र जो कि इलाहाबाद से निकलता था, से भी विद्यार्थी जी जुड़े। गणेश शंकर विद्यार्थी ने अंततोगत्वा कानपुर लौटकर प्रताप अखबार की शुरूआत की। प्रताप भारत की आज़ादी की लड़ाई का मुख-पत्र साबित हुआ। कानपुर का साहित्य समाज प्रताप से जुड़ गया। क्रान्तिकारी विचारों व भारत की स्वतन्त्रता की अभिव्यक्ति का माध्यम बन गया था-प्रताप। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से प्रेरित गणेशशंकर विद्यार्थी जंग-ए-आज़ादी के एक निष्ठावान सिपाही थे। महात्मा गाँधी उनके नेता और वे क्रान्तिकारियों के सहयोगी थे। सरदार भगत सिंह को प्रताप से विद्यार्थी जी ने ही जोड़ा था। विद्यार्थी जी ने राम प्रसाद बिस्मिल की आत्मकथा प्रताप में छापी, क्रान्तिकारियों के विचार व लेख प्रताप में निरन्तर छपते रहते।

भाषा-शैली- गणेशशंकर विद्यार्थी की भाषा में अपूर्व शक्ति है। उसमें सरलता और प्रवाहमयता सर्वत्र मिलती है। विद्यार्थी जी की शैली में भावात्मकता, ओज, गाम्भीर्य और निर्भीकता भी पर्याप्त मात्रा में पायी जाती है। उसमें आप वक्रता प्रधान शैली ग्रहण कर लेते हैं। जिससे निबन्ध कला का ह्रास भले होता दिखे, किन्तु पाठक के मन पर गहरा प्रभाव पड़े बिना नहीं रहता। उनकी भाषा कुछ इस तरह की थी, जो हर किसी के मन पर तीर की भांति चुभती थी। ग़रीबों की हर छोटी से छोटी परेशानी को वह अपनी कलम की ताकत से दर्द की कहानी में बदल देते थे।

पत्रकारिता के पुरोधा- विद्यार्थी जी का बचपन विदिशा और मुंगावली में बीता। किशोर अवस्था में उन्होंने समाचार पत्रों के प्रति अपनी रुचि को जाहिर कर दिया था। वे उन दिनों प्रकाशित होने वाले भारत मित्र, बंगवासी जैसे अन्य समाचार पत्रों का गंभीरता पूर्वक अध्ययन करते थे। इसका असर यह हुआ कि पठन-पाठन के प्रति उनकी रुचि दिनों दिन बढ़ती गई। उन्होंने अपने समय के विख्यात विचारकों वाल्टेयर, थोरो, इमर्सन, जान स्टुअर्ट मिल, शेख सादी सहित अन्य रचनाकारों की कृतियों का अध्ययन किया। वे लोकमान्य तिलक के राष्ट्रीय दर्शन से बेहद प्रभावित थे। महात्मा गांधी ने उन दिनों अंग्रेज़ों के खिलाफ़ अहिंसात्मक आंदोलन की शुरूआत की थी, जिससे विद्यार्थी जी सहमत नहीं थे, क्योंकि वे स्वभाव से उग्रवादी विचारों के थे। विद्यार्थी जी ने मात्र 16 वर्ष की अल्प आयु में 'हमारी आत्मोसर्गता' नामक एक किताब लिख डाली थी। वर्ष 1911 में भारत के चर्चित समाचार पत्र सरस्वती में उनका पहला लेख आत्मोसर्ग शीर्षक से प्रकाशित हुआ था, जिसका संपादक हिन्दी के उद्भट, विद्वान, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा किया जाता था। वे द्विवेदी के व्यक्तित्व एवं विचारों से प्रभावित होकर पत्रकारिता के क्षेत्र में आये। श्री द्विवेदी के सान्निध्य में सरस्वती में काम करते हुए उन्होंने साहित्यिक, सांस्कृतिक सरोकारों के प्रति अपना रुझान बढ़ाया। इसके साथ ही वे महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के पत्र 'अभ्युदय' से भी जुड़ गये। इन समाचार पत्रों से जुड़े और स्वाधीनता के लिए समर्पित पंडित मदन मोहन मालवीय, जो कि राष्ट्रवाद की विचारधारा का जन जन में प्रसार कर सके।

'प्रताप' का प्रकाशन- अपने सहयोगियों एवं वरिष्ठजनों से सहयोग मार्गदर्शन का आश्वासन पाकर अंतत- विद्यार्थी जी ने 9 नवम्बर 1913 से 'प्रताप' नामक समाचार पत्र का प्रकाशन प्रारंभ कर दिया। इस समाचार पत्र के प्रथम अंक में ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि हम राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन, सामाजिक आर्थिक क्राति, जातीय गौरव, साहित्यिक सांस्कृतिक विरासत के लिए, अपने हक अधिकार के लिए संघर्ष करेंगे। विद्यार्थी जी ने अपने इस संकल्प को प्रताप में लिखे अग्रलेखों को अभिव्यक्त किया जिसके कारण अंग्रेजों ने उन्हें जेल भेजा, जुर्माना किया और 22 अगस्त 1918 में प्रताप में प्रकाशित नानक सिंह की 'सौदा ए वतन' नामक कविता से नाराज अंग्रेजों ने विद्यार्थी जी पर राजद्रोह का आरोप लगाया व 'प्रताप' का प्रकाशन बंद करवा दिया।

SIP और Mutual Funds में क्या होता है अंतर? यहां दूर कर लें अपनी हर एक कन्फ्यूजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन्वेस्टर हमेशा इन्वेस्टमेंट के बेहतर तरीके ढूंढते रहते हैं। मार्केट में कई ऑप्शन हैं, जैसे हेज फंड से लेकर सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान, इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम, और भी बहुत कुछ। लेकिन इनमें सबसे खास हैं म्यूचुअल फंड। आज के समय में जिससे भी पूछो कि इन्वेस्टमेंट के नाम पर क्या कर रहे हो तो सब कहते हैं मैं तो SIP कर रहा हूं। अब यहां पर अक्सर निवेशक इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि आखिर म्यूचुअल फंड और एसआईपी में क्या अंतर होता है। आज हम आपकी इसी समस्या को दूर करेंगे।

इन्वेस्टर ज्यादातर अपने पोर्टफोलियो को ट्रैक करने और मार्केट में ट्रेडिंग करने की परेशानी के बिना अपना रिटर्न बढ़ाना चाहते हैं। इसलिए, अब कई तरह के इन्वेस्टमेंट में इन्वेस्टर की तरफ से ट्रेडिंग करने के लिए फंड मैनेजर रखे जाते हैं, जिससे इन्वेस्टर का समय बचता है। इसके अलावा, फंड मैनेजर की प्रोफेशनल जानकारी इन्वेस्टमेंट में प्रॉफिट को ज़्यादा से ज़्यादा करने में फायदेमंद होगी।

म्यूचुअल फंड और SIP दोनों शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करते हैं, लेकिन उनमें कुछ अंतर हैं। इस आर्टिकल में, हम बात करेंगे कि म्यूचुअल फंड और SIP का क्या मतलब है और म्यूचुअल फंड और स्ढ्क्कके बीच मुख्य अंतर क्या है।

म्यूचुअल फंड क्या है - म्यूचुअल फंड एक तरह का इन्वेस्टमेंट है जिसमें बैंक और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों जैसे ऑथराइज्ड फंड हाउस, इन्वेस्टर्स से पैसे इकट्ठा करते हैं और उनकी तरफ से सिक्योरिटीज में ट्रेड करते हैं, जिसका मकसद सबसे कम रिस्क के साथ ज़्यादा से ज़्यादा प्रॉफिट कमाना होता है।

मार्केट में उतार-चढ़ाव का रिस्क कम हो जाता है क्योंकि पैसा अलग-अलग इन्वेस्टमेंट टाइम के लिए अलग-अलग एसेट्स में इन्वेस्ट किया जाता है। जब रिस्क कम होता है, तो पोर्टफोलियो में एक एसेट में हुए नुकसान की भरपाई दूसरे एसेट में हुए प्रॉफिट से हो जाती है।

इन्वेस्टमेंट शेयरों, बॉन्ड और कमोडिटी में किया जाता है और इसे एक इंडिविजुअल इन्वेस्टर के लिए पोर्टफोलियो के नाम से जाना जाता है। इस पोर्टफोलियो को एक फाइनेंस मैनेजर मैनेज करता है, जिसे फंड मैनेजर भी कहते हैं।

एसआईपी, म्यूचुअल फंड की तरह ही है, लेकिन म्यूचुअल फंड में निवेश ज्यादातर एकमुश्त होता है।

क्या पटाखे से हुए नुकसान का इंश्योरेंस करता है भरपाई, क्या हैं इससे जुड़े नियम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली और अन्य त्योहारों में पटाखों का उपयोग खुशियों का प्रतीक माना जाता है, लेकिन अक्सर इनके चलते हादसे और चोटें भी सामने आती हैं। ऐसे में अब फायरक्रैकर इंश्योरेंस आपकी आर्थिक सुरक्षा का एक बेहतर विकल्प बन सकता है।

बजाज फाइनेंस जैसी कई कंपनिया फायरक्रैकर इंश्योरेंस पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं, चोटों और विकलांगता की स्थिति में आर्थिक मदद करती है। यह पॉलिसी उन लोगों के लिए खास तौर पर उपयोगी है जो त्योहारों में या अन्य अवसरों पर खूब पटाखे फोड़ते हैं।

कितनी है कवरेज राशि और प्रीमियम- ये पॉलिसी 549 रुपये से शुरू होती है जिसमें इस प्रीमियम पर 2 लाख तक का बीमा कवर मिलता है। इसमें स्थायी या आंशिक विकलांगता, अस्पताल में भर्ती खर्च और आय के नुकसान जैसी परिस्थितियों में सहायता दी जाती है।

कब मिलेगा विकलांगता पर कवर- अगर पटाखे के कारण स्थायी या आंशिक विकलांगता होती है, तो 1 लाख तक की कवरेज दी जाती है। यह सुविधा दोनों आंखों की दृष्टि खो देने, दोनों हाथों या दोनों पैरों के उपयोग की क्षमता खो देने, एक हाथ और एक पैर के उपयोग की क्षमता खो देने या एक आंख की दृष्टि और एक हाथ या पैर का उपयोग खो देने जैसी स्थितियों में लागू होती है।

मुकेश अंबानी की नई AI कंपनी में Facebook की 30% हिस्सेदारी, 855 करोड़ रुपये के साथ रिलायंस शुरू करेगा वेंचर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शनिवार को घोषणा की कि उसकी पूरी तरह से मालिकाना हक वाली सब्सिडियरी, रिलायंस इंटेलिजेंस लिमिटेड ने फेसबुक की इंडियन ब्रांच के साथ एक जॉइंट वेंचर में एक नई कंपनी, रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड बनाई है।

एक रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, फेसबुक अरबपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा शुरू किए गए AI वेंचर में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी रखेगी। कंपनी ने फाइलिंग में बताया कि रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड में रिलायंस की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

885 करोड़ का होगा निवेश- रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की पूरी तरह से सब्सिडियरी रिलायंस इंटेलिजेंस और फेसबुक मिलकर इस वेंचर में शुरुआती 855 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।

REIL एंटरप्राइज AI सर्विसेज को डेवलप, मार्केट और डिस्ट्रीब्यूट करेगी। इसमें कहा गया है, "JV एग्रीमेंट के अनुसार, रिलायंस इंटेलिजेंस के पास REIL में 70 प्रतिशत और फेसबुक के पास बाकी 30 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। रिलायंस इंटेलिजेंस और फेसबुक ने मिलकर शुरुआती 855 करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया है। फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि रिलायंस इंटेलिजेंस लिमिटेड ने 24 अक्टूबर, 2025 को रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड को इनकॉर्पोरेट किया था। इसमें कहा गया है, "REIL, जो भारत में रिलायंस इंटेलिजेंस की पूरी तरह से सब्सिडियरी के तौर पर इनकॉर्पोरेट हुई है, मेटा प्लेटफॉर्म्स, इंक. की पूरी तरह से सब्सिडियरी फेसबुक ओवरसीज, इंक. (फेसबुक) के साथ बदले हुए और दोबारा बनाए गए जॉइंट वेंचर एग्रीमेंट के अनुसार जॉइंट वेंचर कंपनी बन जाएगी।

सरकार ने व्यापार आसान बनाने के लिए सीमा शुल्क दरों और छूटों में किया बड़ा सुधार, इस तारीख से लागू होंगे नए नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के कस्टम्स व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने नया नोटिफिकेशन जारी किया है। इस नोटिफिकेशन में 31 अलग-अलग नोटिफिकेशन को एक ही में विलय कर दिया गया है। यह एकीकरण, 1 नवंबर 2025 से प्रभावी होगा।

सरकार इसके जरिए पारदर्शिता बढ़ाने, अनुपालन बोझ को कम करने और आयातकों, निर्यातकों और प्रमुख क्षेत्रों में विनिर्माणकर्ताओं के लिए व्यापार करने की आसानी (ईओडीबी) को मजबूत करना चाहती है।

नई अधिसूचना देश की कस्टम्स छूट व्यवस्था में एक प्रमुख सुधार होगा। यह कृषि उत्पादों से लेकर फार्मास्यूटिकल्स, रिन्यूएबल एनर्जी इनपुट्स, मेटल, उर्वरकों, इलेक्ट्रॉनिक घटकों और रत्नों तक विभिन्न वस्तुओं पर शुल्कों को तर्कसंगत बनाती है। 1957 तक की पुरानी अधिसूचनाओं को समेटते हुए, सीबीआईसी का उद्देश्य ओवरलैपिंग, अप्रचलित प्रावधानों और प्रशासनिक जटिलताओं को समाप्त करना है।

यह एकीकृत दस्तावेज प्रमुख पुरानी अलग कस्टम्स को एकीकृत संरचना में बदलेगा। उदाहरण के लिए, यह चिकित्सा उपकरणों और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों जैसी आवश्यक आपूर्तियों को कवर करती है, जिससे महत्वपूर्ण आयातों पर न्यूनतम राजकोषीय बाधाएं सुनिश्चित होती हैं और पर्यावरण तथा स्वास्थ्य लक्ष्यों के साथ संरेखण होता है।

कोटक महिंद्रा बैंक का दूसरी तिमाही में मुनाफा घटा, ब्याज से बढ़ी आय

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने तिमाही रिजल्ट जारी कर दिए हैं। बैंक का 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए स्टैंडअलोन प्रॉफिट में मामूली गिरावट देखने को मिली है। बैंक का कर के बाद लाभ साल-दर-साल 2.7 फीसदी घटकर Q2FY26 में 3,253 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 3,344 करोड़ रुपये था।

मुख्य आय में स्थिर गति देखी गई, नेट इंटरेस्ट इनकम साल-दर-साल 4 फीसदी बढ़कर 7,311 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 7,020 करोड़ रुपये थी। तिमाही के लिए बैंक का नेट इंटरेस्ट ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 4.54 फीसदी पर स्थिर रहा।

कारोबारी मोर्चे पर, कोटक का नेट एडवांड पिछले साल की तुलना में 16 फीसदी बढ़कर 4,62,688 करोड़ रुपये हो गया, जबकि औसत कुल जमा राशि पिछले साल की तुलना में 14 फीसदी बढ़कर 5,10,538 करोड़ रुपये हो गई। बैंक का छ्रू अनुपात 42.3 फीसदी के मजबूत स्तर पर रहा।

एसेट क्वॉलिटी में सुधार हुआ, ग्रॉस नॉन परफॉर्मिंग एसेट (जीएनपीए) रेशियो एक साल पहले के 1.49 फीसदी से घटकर 1.39 फीसदी हो गया, और नेट एनपीए 0.43 फीसदी से घटकर 0.32 फीसदी हो गया। पीसीआर 77 फीसदी पर बना रहा।

समेकित स्तर पर, कर-पश्चात लाभ (पीएटी) वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के 5,044 करोड़ रुपये से घटकर 4,468 करोड़ रुपये रह गया। 30 सितंबर, 2025 तक बैंक का बेसल III पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 22.8 फीसदी के मजबूत स्तर पर रहा।

सभी आरोप बेबुनियाद हैं... LIC ने द वाशिंगटन पोस्ट की झूठी रिपोर्टों का किया खंडन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जीवन बीमा निगम की ओर से शनिवार को द वाशिंगटन पोस्ट की झूठी रिपोर्टों का खंडन किया गया। LIC ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इन आरोपों को झूठा बताया है।

LIC की ओर से द वाशिंगटन पोस्ट के आर्टिकल के जवाब में कहा गया है कि वॉशिंगटन पोस्ट ने आरोप लगाए हैं कि LIC के निवेश से जुड़े फैसले बाहरी फैक्टर्स से प्रभावित होते हैं। ये सभी आरोप झूठे और बेबुनियाद हैं।

कंपनी ने अपने बयान में कहा, आर्टिकल में बताए गए ऐसे किसी भी डॉक्यूमेंट या प्लान को LIC ने कभी तैयार नहीं किया, जो LIC द्वारा अदाणी ग्रुप की कंपनियों में फंड डालने के लिए एक रोडमैप बनाता हो।

LIC ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि निवेश के फैसले LIC द्वारा बोर्ड से मंजूर पॉलिसी के अनुसार, पूरी जांच-पड़ताल के बाद स्वतंत्र रूप से लिए जाते हैं।

साथ ही कंपनी ने यह भी साफ किया कि फाइनेंशियल सर्विसेज डिपार्टमेंट या किसी अन्य संस्था का ऐसे फैसलों में किसी तरह की कोई भूमिका नहीं होती।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

जबलपुर के निसर्ग इस्पात परिसर में जंगली सुअरों के बाद तेंदुआ का शिकार, झाड़ियों में मिला शव

जबलपुर। सिहोरा के ग्राम घुघरा में संचालित निसर्ग इस्पात प्राइवेट लिमिटेड परिसर में दो जंगली सुअरों का करंट से शिकार करने और सबूत छिपाने के लिए अवशेष दफनाएं जाने का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि कंपनी के परिसर में एक तेंदुआ का शव मिलने से हड़कंप गया है। तेंदुआ का शुक्रवार की रात शव झाड़ियों में मिला। तेंदुआ की शिकार की सूचना मिलते ही शनिवार की सुबह वन विभाग का अमला भी मौके पर पहुंच गया और डाग स्वाक्ड की मदद से जांच शुरू कर दी है।

वन मंडल अधिकारी ऋषि मिश्रा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम घुघरा स्थित निसर्ग इस्पात प्राइवेट लिमिटेड के कैंपस में झाड़ियों के बीच एक तेंदुए का शव पड़ा हुआ है। मौके पर वन परिक्षेत्र सिहोरा के स्टॉफ को भेजा गया, जिसने तेंदुए के शव को मौके पर होने की पुष्टी की। इस फैक्ट्री कैंपस में पूर्व में भी वन्य प्राणियों के शव मिल चुके हैं। फिलहाल पूरे घटना क्षेत्र को सील कर डॉग स्वाक्ड की मदद से जांच कराई जा रही है। तेंदुआ का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा इसके बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि तेंदुआ का शिकार किस तरह किया गया है।

दो सुअरों का करंट से किया था शिकार

बता दें कि कंपनी का परिसर करीब 250 एकड़ में फैला है। इसी परिसर के दूसरे हिस्से में पिछले दिनों दो जंगली सुअरों के शिकार का मामला सामने आया था। आरोपितों ने सुअरों का करंट से शिकार किया था और अवशेष गड्ढा खोदकर दफना दिए थे। मामले की जांच के बाद वन विभाग ने जेसीबी से गड्ढा कर अवशेष को बाहर निकाला था और कंपनी के मैनेजर सहित तीन लोगों पर प्रकरण दर्ज किया था जिन्हें बाद में जेल भेज दिया गया था। बहरहाल इस्पात परिसर में अब तेंदुआ का शव मिलने की घटना से हड़कंप मचा हुआ है। घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग रखने वाला डीवीआर घटना के बाद रहस्यमय तरीके से जल गया। विभाग को आशंका है कि यह सबूत मिटाने की सुनियोजित कोशिश हो सकती है।

सिवनी हवाला कांड में जेल में ही रहेंगी सस्पेंड एसडीओपी पूजा पांडे, सत्र न्यायालय से जमानत अर्जी खारिज

सिवनी। हवाला के 3 करोड़ रुपये डकैती मामले में मुख्य आरोपित एसडीओपी पूजा पांडे की जमानत याचिका पर 25 अक्टूबर शनिवार की शाम निर्णय देते हुए जिला अदालत की विशेष न्यायालय ने याचिका को खारिज कर दिया है। 24 अक्टूबर को एसडीओपी के अधिवक्ताओं ने जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान एसडीओपी के दो साल के बेटे को आधार बनाते हुए सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों को सत्र न्यायालय में रखा था। एसडीओपी असीम त्रिवेदी ने कहा था कि बच्चे को अच्छा वातावरण मिले यह उसका मौलिक अधिकार है।

इसके अलावा हवाला रुपयों की जब्ती के बाद डकैती की धाराओं में पृथक से केस दर्ज करने इत्यादि तर्क भी विशेष सत्र न्यायालय में रखे गए थे। प्रकरण शासन की ओर से अभियोजन विभाग के उपसंचालक गोपाल कृष्ण हलधर ने उपस्थित होकर जमानत याचिका के खिलाफ तर्क प्रस्तुत किए थे। जमानत याचिका पर बहस के बाद विशेष सत्र न्यायालय ने अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था।

जमीन के विवाद में भाई की छाती पर बैठकर उसका गला दबा दिया, एमपी के रतलाम की घटना

रतलाम। सरवन थाना क्षेत्र के ग्राम गराड़ में शुक्रवार रात जमीन विवाद को लेकर बड़े भाई ने छोटे भाई की गला दबाकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 30 वर्षीय संतोष पुत्र उदा दामा के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या करने वाले बड़े भाई आरोपित मोहन दामा को शनिवार सुबह घर से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात करीब 7त्न30 बजे संतोष अपने घर के बाहर खटिया पर बैठा था। इसी दौरान उसका बड़ा भाई मोहन घर पहुंचा। नशे की हालत में मोहन ने संतोष के साथ हाथापाई शुरू कर दी और उसके ऊपर बैठ गया। दोनों के बीच झड़प हुई और मोहन ने संतोष का गला दबा दिया। रात में स्वजन संतोष को लेकर सैलाना के स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।रात करीब 12 बजे सैलाना स्वास्थ्य केंद्र से सरवन थाना पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को स्वास्थ्य केंद्र में ही रखा गया और शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने गांव पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू की है।जमीन बंटवारे को लेकर हुआ दोनों में विवाद जांच में सामने आया है कि जिसकी हत्या हुई वह शादीशुदा था और उसके तीन बच्चे हैं। माता-पिता भी साथ रहते हैं। करीब पांच साल पहले दोनों भाइयों के बीच जमीन का बंटवारा हुआ था। इसके बाद बड़े भाई मोहन का कहना था कि उसके हिस्से में जमीन कम आई है। इसी बात को लेकर शुक्रवार रात दोनों में विवाद हुआ, जो हत्या तक पहुंच गया।

MP के मंडला में स्कूल यूनिफार्म में शराब खरीदती छात्राओं का वीडियो वायरल, दुकान पर कार्रवाई की तैयारी

मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला जिले के नैनपुर में संचालित कंपोजिट शराब दुकान से स्कूली छात्राओं को शराब बेचने का मामला प्रकाश में आया। इस मामले का वीडियो वायरल हुआ तो प्रशासन हरकत में आया। शुक्रवार की शाम ही प्रशासन और आबकारी विभाग के अधिकारी संबंधित शराब दुकान में पहुंच गए।

उन्होंने जहां दुकान के दस्तावेजों और स्टाक की जांच की, वहीं आसपास के सीसीटीवी फुटेजों को भी खंगाला। सीसीटीवी फुटेज में अधिकारियों को साफ दिखाई दिया कि दुकान से स्कूली छात्राओं को शराब बेची गई। जबकि इस पर प्रतिबंध है। इस मामले में आबकारी एक्ट के तहत आपराधिक प्रकरण तैयार कर कलेक्टर की न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। ठेकेदार पर हो सकता है जुर्माना

नैनपुर की कंपोजिट शराब दुकान से स्कूली छात्रा को शराब बेचे जाने की पुष्टि हुई है। प्रकरण बनाकर कलेक्टर की न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। ऐसे मामलों में ठेकेदार पर दो लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रविधान है। - रामजी लाल पांडे, जिला आबकारी अधिकारी-मंडला।

ग्वालियर में धनतेरस से दीपावली तक सात घरों में हुई चोरी, 82.50 लाख रुपये का माल ले गए

ग्वालियर। धनतेरस से दीपावली तक बाजारों में जमकर भीड़ रही। बाजार में चोर-लुटेरों पर तो पुलिस ने पैनी नजर रखी, लेकिन चोरों ने भी इस बार बाजारों में लोगों को निशाना न बनाकर सूने घरों में सेंध लगाई। गली, मोहल्ले से लेकर शहर के पाश इलाकों की कॉलोनियों तक में दीपोत्सव के दौरान सात घरों में चोरी की वारदातें हुईं।

इन घरों से सोना-चांदी के गहने, मोहरें और कीमती सामान ही चोरी किया। बाजारों में तो सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे, लेकिन गली-मोहल्ले, कॉलोनियों में पुलिस सुरक्षा में बड़ी चूक हुई। पुलिस ने चोरी की छह घटनाओं में एफआईआर कर ली है, एक मामले में शिकायती आवेदन लिया है। जांच चल रही है। फरियादी और पुलिस की रिपोर्ट में मशरूका में जमीन-आसमान का अंतर

नईदुनिया ने जिन लोगों के घर चोरी हुई, उनसे बात की। फरियादियों से बात करने के बाद चोरी गए माल की कुल कीमत 82.50 लाख रुपये है, लेकिन पुलिस के अनुसार, यह कीमत 9.47 लाख रुपये ही है। पुलिस की मशरूका (चोरी किए हुए माल की कीमत) में जमीन-आसमान का अंतर है। यह अंतर कैसे है, इसका जवाब किसी के पास नहीं है। एक फरियादी ने इसे लेकर आपत्ति भी की है।

दीपावली पूजन के लिए गए परिवार, उन्हीं के घर टारगेट पर...आशंका- एक ही गैंग

इन दिनों में जिनके घर में चोरी हुई, वह लोग दीपावली पूजन के लिए बाहर गए थे, या रिश्तेदार के घर गए थे। आशंका है- वारदात एक ही गैंग ने की है।

सीसीटीवी कैमरों में कैद चोर...पकड़ा एक भी नहीं गयाअधिकांश घटनाओं में चोर सीसीटीवी कैमरे में दिखे हैं, लेकिन एक भी चोर पकड़ा नहीं गया।

किस क्षेत्र में किसके यहां हुई घटना

1- मुरार – आर्यनगर निवासी शिक्षक शुभेंद्र सिंह गुर्जर धनतेरस पर अपने परिवार के साथ गांव गए थे। उनके सूने घर से चोर 10 तोला वजनी सोने के गहने, 250 ग्राम चांदी चोरी कर ले गए। कीमत फरियादी के अनुसार- 12 लाख रुपये। पुलिस के अनुसार- 1.35 लाख रुपये।

2- सिटी सेंटर – गोविंदपुरी पुलिस चौकी के पीछे स्थित अपार्टमेंट में रहने वाले एलआइसी के शाखा प्रबंधक शिवदयाल मीणा के घर में मौजूद होते हुए करीब 10 तोला वजनी सोने के गहने चोरी हो गए। कीमत- 10 लाख रुपये। पुलिस ने एफआइआर नहीं की है।

3- बहोड़ापुर – आनंद नगर में रहने वाले ट्रांसपोर्टर चंद्रपाल राजपूत परिवार के साथ दीपावली पूजन के बाद गांव चले गए। लौटकर आए तो घर के ताले टूटे पड़े थे। चोर सोने की चार अंगूठी, चार चूड़ी, एक जंजीर, सिक्का, 30 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। चोर सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर भी ले गए। कीमत फरियादी के अनुसार-छह लाख रुपये, पुलिस के अनुसार- पुलिस ने सामान, नकद रुपये का उल्लेख किया है। कुल कीमत नहीं लिखी।

4- थाटीपुर – दर्पण कालोनी निवासी बसंत भारद्वाज दतिया के सेंवढ़ा गए थे। 21 अक्टूबर को वह गए थे। इसी दौरान उनके घर से सोने की मोहरें, गहने चोरी हो गए। चोर बाजूबंद, चेन, मोहरें, दो बेंदा, छह अंगूठी, 12 चूड़ियां, कंठी, दो मंगलसूत्र, दो रानी हार व अन्य गहने ले गए।

ग्वालियर में कार्बाइड गन और पटाखों से पांच दिन में 91 लोगों की आंखें चोटिल

ग्वालियर। रोशनी और उमंग का त्योहार दीपावली इस बार कई परिवारों के लिए अंधकार का प्रतीक बन गया। कार्बाइड गन और पटाखों की चपेट में आकर 91 लोगों की आंखें चोटिल हो गईं। इनमें से कई को अपनी आंखों की रोशनी गंवानी पड़ी है। पांच दिनों में कार्बाइड गन से चोटिल मरीजों की संख्या 40 तक पहुंच गई। सबसे ज्यादा मामले युवाओं के हैं। चिकित्सकों के अनुसार, इन मरीजों में से 20 से अधिक लोगों की सर्जरी करनी पड़ी, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद कई की दृष्टि वापस नहीं लौट सकी।

सस्ती मस्ती ने छीनी आंखों की रोशनीत्योहार पर रोमांच के लिए युवाओं ने घरों में जुगाड़ से कार्बाइड गन बना ली।

इंदौर जिले में किसानों की खुशहाली की भावांतर योजना की उत्सवी माहौल में हुई शुरूआत

इंदौर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप किसानों को उनकी सोयाबीन उपज का उचित दाम दिलाने के लिए आज से राज्य सरकार द्वारा भावांतर योजना प्रारंभ की गई है। पहले ही दिन इस योजना के प्रति किसानों का भारी उत्साह सामने आया। बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज लेकर मंडियों में पहुँचे। मंडियों में उत्सवी माहौल में इस योजना की शुरूआत की गई। अपनी उपज लाने वाले किसानों का तिलक लगाकर और पुष्पमाला पहनाकर स्वागत-सत्कार किया गया। किसानों के लिए भोजन और स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। किसानों के चेहरों पर खुशियां देखी गई। किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर लागू योजना को किसान हितैषी बताया और सराहना की।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, विधायक श्री मधु वर्मा, श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण लक्ष्मीबाई मंडी पहुँचे। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री पंवार नवजीवन विजय, श्री रोशन राय भी मौजूद थे। मंत्री श्री सिलावट तथा कलेक्टर श्री वर्मा ने मंडी में आने वाले किसानों का तिलक लगाकर और पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने किसानों से चर्चा भी की। उन्होंने किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं को जायजा लिया। इस अवसर पर बोली लगाकर उपज खरीदी की शुरूआत की गई। सर्वाधिक बोली 4775 रुपये की रही।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बताया कि जिले में किसानों के लिए सभी जरूरी इंतजाम मंडियों में किए गए है। ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है कि किसानों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो। मंडियों में किसानों की उपज की समय पर तुलवाई, समय पर भुगतान, बैठने के लिए छायादार स्थान, शयन, भोजन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

अपनी उपज लाने वाले रतनखेड़ी के किसान श्री कृष्णा जाधव ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस योजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों के हित की है। मंडी में बेहतर व्यवस्था की गई है। हमें बेहतर दाम मिल गए हैं। भावांतर योजना का लाभ भी मिलेगा। ऐसे ही कुछ विचार सनावदिया में रहने वाले किसान श्री उमेश घनश्याम, बसान्द्रा के अमन ने भी व्यक्त किये। इन सबने भावांतर योजना को किसान हितैषी बताया। उन्होंने बताया कि मंडी में बेहतर व्यवस्था है। हमारी उपज की समय पर ब्रिकी हो गई। किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप किसानों को उनकी सोयाबीन उपज का उचित दाम दिलाने के लिए आज से राज्य सरकार द्वारा भावांतर योजना प्रारंभ की गई है। योजना के तहत किसान अपने नजदीकी मण्डी/उपमण्डी में जाकर फसल विक्रय कर सकेंगे। उपज विक्रय के लिए किसानों को भावान्तर का पंजीयन क्रमांक रसीद और अपना आधार कार्ड लेकर जाना अनिवार्य है। खरीदी केन्द्रों पर सोयाबीन खरीदी का कार्य 15 जनवरी 2026 तक चलेगा। सोयाबीन के लिए एमएसपी प्रति क्विंटल 5328 रुपए घोषित की गई है। योजना के तहत सोयाबीन उत्पादक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य और बाजार भाव के बीच का अंतर सरकार द्वारा दिया जाएगा।

102 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये

इंदौर। भारतीय डाक विभाग इंदौर परिक्षेत्र की मेजबानी में आज इंदौर में 17 वें रोजगार मेले का आयोजन रविंद्र नाट्य गृह में किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार श्री दुर्गादास उईके, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री गोलू शुक्ला विशेष रूप से मौजूद थे। उक्त रोजगार मेला में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों जैसे रेल्वे, वित्त, उच्च शिक्षा, आयकर, एवं डाक विभाग इत्यादि के लगभग 51 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को 40 केन्द्रों पर वर्चुअल नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। इन्दौर में 102 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। जिसमें से 25 अभ्यर्थियों को मुख्य अतिथि द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम में इंदौर सेंटर पर दूरस्थ स्थानों से जैसे खण्डवा, मंदसौर, रतलाम, सीहोर, उज्जैन, धार देवास के साथ-साथ स्थानीय इंदौर से भी केंद्र सरकार के विभिन्न विभागो में नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये।

लोक आस्था, तप और श्रद्धा का चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत

इंदौर- सूर्य उपासना और लोक आस्था का प्रतीक छठ महापर्व आज नहाय-खाय के साथ आरंभ हो गया। दीपावली के बाद आने वाला यह चार दिवसीय पर्व शुद्धता, संयम और श्रद्धा का अद्भुत संगम है, जिसमें व्रती महिलाएं और पुरुष प्रकृति एवं सूर्यदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

सुबह से ही व्रतधारी परिवार अपने घरों की सफाई, शुद्धिकरण और सात्विक भोजन की तैयारी में जुट गए। नहाय-खाय के साथ छठ व्रतियों द्वारा गेहूं धोने और सुखाने की परंपरा निभाई जा रही है, जिससे आने वाले दिनों में सूर्यदेव को अर्पित किए जाने वाले प्रसाद की तैयारी होती है।

शुक्रवार को विजय नगर छठ घाट पर

पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान मध्यप्रदेश, नगर निगम और मुस्लिम समाज के सदस्यों ने मिलकर सफाई अभियान चलाया। इस अवसर पर संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह, आयोजन समिति के पदाधिकारी अरविंद सिंह, अभय सिंह, अमजद राईन, मूसा भाई, सादिक खान सहित नगर निगम के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान मध्यप्रदेश के महासचिव के. के. झा ने बताया कि ÷इस वर्ष इंदौर के 150 से अधिक घाटों पर छठ महापर्व का आयोजन किया जा रहा है। सभी समितियाँ अपने-अपने क्षेत्रों में घाटों की सफाई और सजावट के अंतिम चरण में हैं।

इंदौर और आसपास के प्रमुख छठ स्थलों – स्कीम नं. 54, 78, टिगरिया बादशाह, कैट रोड सूर्य मंदिर, सुखलिया, श्याम नगर, तुलसी नगर, समर पार्क, निपानिया, तपेश्वरी बाग, फीनिक्स टाउनशिप, पिपलियाहाना तालाब, एरोड्रम रोड, राऊ और पीथमपुर – पर श्रद्धालु डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे।

छठ महापर्व की कार्यक्रम रूपरेखा

26 अक्टूबर (रविवार)- खरना – दिनभर उपवास के बाद आम की लकड़ी पर गुड़ की खीर व रोटी का प्रसाद बनाकर सूर्यदेव को अर्पित किया जाएगा; इसके साथ 36 घंटे का निर्जला व्रत प्रारंभ होगा

27 अक्टूबर (सोमवार)- षष्ठी तिथि – अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पण

28 अक्टूबर (मंगलवार)- सप्तमी तिथि – उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ महापर्व का समापन

लोक संस्कृति, पर्यावरण और एकता का पर्व

भावान्तर योजना से किसानों के चेहरों पर आ रही मुस्कान

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा किसानों को सोयाबीन की फसल का उचित लाभ देने के लिए भावान्तर योजना लागू की गई है। इस योजना का वास्तविक रूप से क्रियान्वयन आज शुक्रवार से प्रारम्भ हुआ। पहले दिन इंदौर संभाग की मंडियों में किसानों और व्यापारियों में खासा उत्साह नजर आया है। सोयाबीन फसल विक्रय करने आए किसानों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

मुहूर्त भाव में 23 अक्टूबर को कृषि उपज मंडी समिति इंदौर के लक्ष्मीबाई नगर मुख्य मंडी प्रांगण में ग्राम रोजडी जिला इंदौर के कृषक श्री बलदेव का सोयाबीन 7001 रूपये प्रति क्विंटल के भाव से विक्रय हुआ। इसी प्रकार शुक्रवार, 24 अक्टूबर को इंदौर जिले के ग्राम सनावदा, तहसील देपालपुर के कृषक श्री कल्याण सिंह पिता कालू सिंह का सोयाबीन 4775 रूपये प्रति क्विंटल के भाव पर विक्रय हुआ है, जो भावांतर योजना अंतर्गत पंजीकृत किसान है। सोयाबीन का भाव अच्छा मिलने से किसानों में खुशी का माहौल देखने में आ रहा है। इंदौर जिले की गौतमपुरा देपालपुर उपमंडी में सबसे अधिक कुल 407.99 टन सोयाबीन की आवक हुई, जो कि पूरे प्रदेश में सर्वाधिक है।

ग्राम पंचायत कार्यालयों में होगी जनसुनवाई-लगेंगे समस्या समाधान शिविर

इंदौर। इंदौर जिले के जनपद पंचायत डॉ. अम्बेड़कर नगर महू के ग्राम पंचायत सिमरोल में राज्य शासन की महत्वपूर्ण योजना एक बगिया मां के नाम के हितग्राहियों का सेक्टर स्तरीय वृक्षारोपण प्रशिक्षण तथा महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद पंचायत डॉ. अम्बेडकर नगर महू के सीईओ श्री गिरिराज दुबे ने बताया कि उक्त योजनान्तर्गत चिन्हित पात्र हितग्राहियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं का तकनीकी अमले के साथ बैठकर समाधान किया गया। साथ ही 25 अक्टूबर से गड्ढे खोदकर वृक्षारोपण कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत में सीएम हेल्पलाईन से संबंधित शिकायतकर्ताओं के लिये विशेष बैठक आयोजित कर मौके पर समस्याओं का समाधान कराया गया।

उन्होंने बताया कि सेक्टर की समीक्षा बैठक में ग्राम पंचायत जोशी गुराडिया, मेंमदी, दतोदा, सिमरोल के सचिवों निर्देशित किया गया कि ग्राम पंचायत में मुनादी कराई जाकर प्रत्येक मंगलवार को ग्राम पंचायत कार्यालयों में जनसुनवाई / समस्या समाधान शिविर आयोजित किये जायें, जिससे ग्राम वासियों को मूलभूत सुविधाएं तथा पंचायत से संबंधित कार्य के लिये वरिष्ठ कार्यालयों में शिकायत हेतु भटकना नहीं पड़ें तथा शासन की सभी आवश्यक जनहितैषी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिलना सुनिश्चित हो।

कार्बाइड गन के निर्माण, भण्डारण, क्रय-विक्रय तथा उसके संचालन पर प्रतिबंध

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्?डाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने मानव जीवन की सुरक्षा और जन स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की रोकथाम के लिये कार्बाइड गन के निर्माण, भण्डारण, क्रय-विक्रय, प्रदर्शन तथा उसके संचालन पर प्रतिबंध लगाया है। यह प्रतिबंध इंदौर जिले की राजस्व सीमा में लागू रहेंगे। इस संबंध में जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री वर्मा भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये है। जारी आदेशानुसार कोई भी व्यक्ति/संस्थायें, व्यापारी प्रतिबंधात्मक पटाखा, आतिशबाजी, लोहा/स्टील अथवा पीवीसी पाईपों में विस्फोटक पदार्थ भरकर अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले अवैध संशोधित पटाखे (कार्बाइड गन) का निर्माण, भण्डारण, क्रय-विक्रय, वितरण, प्रदर्शन तथा उसके संचालन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। एसडीएम/कार्यपालिक दण्डाधिकारी/पुलिस अधिकारी एवं संबंधित विभाग इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करायेंगे तथा उल्लंघन की दशा में तत्काल नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करायेंगे।

बताया गया कि विगत दिनों कई जिलों में घटित घटनाओं के माध्यम से यह तथ्य ध्यान में लाया गया कि कुछ लोगों द्वारा प्रतिबंधात्मक पटाखा, आतिशबाजी जैसे विस्फोटकों को लोहा/स्टील अथवा पीवीसी पाईपों में भरकर अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले अवैध संशोधित पटाखे (कार्बाइड गन) तैयार कर विक्रय किये जा रहे है। इस प्रकार के पटाखे चलाने से एक ओर जहां अत्यधिक ध्वनि पैदा करते है वहीं दूसरी ओर इनसे आम जन के स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसी परिस्थिति में यह आवश्यक हो गया है कि इस प्रकार की गतिविधियों को प्रतिबंधित किया जाकर मानव जीवन की सुरक्षा हेतु खतरे को कम किया जा सके। इसको देखते हुए उक्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है।

सेवा और समर्पण के लिए मेरे अनन्य साथी मदन परमालिया की सेवाओं के लिए मैं समर्पित हूँ – श्री पटेल

इन्दौर। श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट के संरक्षक एवं अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने अपने साथी श्री गीतारामेश्वरम् ट्रस्ट के प्रवक्ता के रूप में ट्रस्ट को गति प्रदान करने वाले ऐसे साथी जो सेवा और समर्पण के लिए मेरे अनन्य साथी के रूप में कार्य कर रहे हैं आज मैं उन्हें सम्मानित कर अपने आपको सम्मानित हुआ हूँ। पटेल परिवार के पारिवारिक कार्यक्रम में समाजसेवी मदन परमालिया को आज उन्होने सभी के बीच में दुपट्टा उड़ाकर उन्हें सम्मानित किया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम, वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकर ! भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

15 दिन की समयावधि में 10 नवम्बर तक वर्कप्लान बना कर 300 कनेक्शन प्रतिदिन करें - संभागायुक्त

संभागायुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम के टाटा सीवरेज कार्य का औचक निरीक्षण किया

उज्जैन । संभागायुक्त आशीष सिंह ने शनिवार सुबह जिले में नगर निगम द्वारा नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न विकास एवं स्वच्छता कार्यों का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स टाटा प्रोजेक्टस लिमिटेड को आवश्यक निर्देश दिए गए । निरीक्षण के दौरान कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संभागायुक्त श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान अमृत फेस 2 और अन्य प्रगतिरत सीवरेज कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सघन बस्तियों में घरों के सीवरेज कनेक्शन के अपूर्ण कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने , पंपिंग स्टेशन का कार्य ,गहराई में ब्लॉकेज साफ करने के कार्य की कार्ययोजना बनाने ,ब्लॉकेज साफ करने और

अन्य कार्यों के लिए आवश्यक मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए की सीवरेज लाइन पर सिंहस्थ के समय अत्यधिक दवाब रहेगा कार्ययोजना में इस पर विशेष ध्यान देकर कार्य करे। मनछामन क्षेत्र में हाउस सर्विस कनेक्शन कार्य के दौरान यह निर्देश दिए गये कि 15 दिन की समयावधि में 10 नवम्बर तक वर्कप्लान बना कर 300 कनेक्शन प्रतिदिन करने, कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने जिससे नागरिकों को असुविधा ना हो के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए की निर्देशों का पालन न होने की स्थिति में अनुबंध की शर्तों के अनुसार आवश्यक कार्यवाही किए जाने की चेतावनी दी।

रेतीघाट क्षेत्र में पाइप लाइन बिछाने के कार्य स्थल का निरीक्षण किया गया। खुदाई एवं पाइप बिछाने के कार्य में सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए। रंजीत हनुमान क्षेत्र में मैनहोल निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया गया कि मैनहोल में मिलने वाले फ्लो को कनेक्ट करके आईसी और हाउस सर्विस कनेक्शन का कार्य पूर्ण करें।

कलेक्टर श्री सिंह को निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी ने जानकारी दी की सीवरेज लाइन की क्षमता 204 स्ख्ष्ठ के लगभग है।

आउटसोर्स कर्मचारी संघ का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

उज्जैन। महिदपुर स्थित शासकीय रेस्ट हाउस में शासन के विभाग में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी एकजुट हुए एवं दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आउटसोर्स कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष गुलशन मंसूरी को आमंत्रित किया गया एवं पुष्प माला एवं बाबा महाकाल के दुपट्टे से सम्मान किया गया।

वक्ताओं द्वारा कहा गया कि श्री मंसूरी के नेतृत्व में उज्जैन जिले के संगठन ने पूरे प्रदेश में पहचान बनाई है एवं शोषण को खत्म करने के लिए अनेक कार्य किए हैं। वही संभाग अध्यक्ष मंसूरी ने कहा कि संगठन आप सभी से मिलकर बना है, आप संगठन की ताकत हैं, कृषि उपज मंडी एवं शासन के अनेक विभागों में अभी भी बोनस की राशि प्राप्त नहीं हुई है। संगठन के द्वारा इस विषय में उचित कार्यवाई की जाएगी। एवं साथियों को उनका अधिकार दिलाया जाएगा, आउटसोर्स कर्मचारी संघ के द्वारा महिदपुर कृषि उपज मंडी में आउटसोर्स कर्मचारी संघ महिदपुर के अध्यक्ष सुरेश बमनावत जिला महामंत्री के साथ उपाध्यक्ष का दायित्व भी संभालेंगे। मुकेश चौहान (भगतजी), कोषाध्यक्ष भरत कुमावत, सचिव मुकेश कटारिया, मीडिया प्रभारी मुकेश चौधरी को नियुक्त किया गया, जिससे कि कृषि उपज मंडी महिदपुर में आउटसोर्स कर्मचारी अपनी बात उचित मंच तक पहुंचाकर शोषण से मुक्त हो सकें। साथ ही आर्थिक कोष की भी स्थापना संगठन के द्वारा की गई एवं ब्लड बैंक भी बनाया जाएगा, जिससे शासन के अंतर्गत आने वाले कर्मचारी को या उनके परिवार को भटकना ना पड़े। इस अवसर पर प्रमुख रूप से शिक्षा विभाग कंप्यूटर ऑपरेटर संघ के अध्यक्ष मयूर उपाध्याय, राजेंद्र सूर्यवंशी, लक्की परमार, शिवम सूर्यवंशी, भेरूलाल चौहान, शंकर लाल परमार, गोपाल बल्डिया, पवन मुवाला, राहुल राठी, गोविंद परमार, तुकाराम माली (राजू), जितेंद्र पाडोलिया, अंबाराम मालवीय, भारत सूर्यवंशी, दिलीप पँवार, सोनू व्यास, जितेंद्र सिंह भाटी, सोनू परमार, सोनू व्यास उपस्थित थे।

आज राठौर समाज का भव्य अन्नकूट महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह

उज्जैन । आज रविवार, 26 अक्टूबर को राठौर क्षत्रिय समाज ट्रस्ट, उज्जैन के तत्वावधान में समाज का श्री मदनमोहन भगवान एवं श्री दास हनुमान जी का वार्षिक अन्नकूट महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। आयोजन स्थल श्री मदनमोहन वाटिका, सदावल रोड पर सुबह से ही भक्ति, उल्लास और समाज एकता का अलौकिक संगम दिखाई देगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8 बजे क्षिप्रा नदी की छोटी रपट से निकलने वाली भगवान श्री मदनमोहन जी की भव्य शोभायात्रा से होगा।

श्री अग्रवाल पंचायत न्यास का अन्नकूट महोत्सव आज

उज्जैन। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली के उपलक्ष्य में अन्नकूट महोत्सव एवं वरिष्ठ समाजसेवियों का सम्मान समारोह आज 26 अक्टूबर रविवार कार्तिक शुक्ल पंचमी को अग्रवाल पंचायत न्यास के स्वामित्व एवं आधिपत्य के श्री पुरुषोत्तम नारायण मंदिर गयाकोठा क्षेत्र 'पिकनिक पैलेस' अंकपात मार्ग, उज्जैन पर आयोजित किया जाएगा।

अन्नकूट महोत्सव को लेकर श्री पुरुषोत्तम नारायण मंदिर को फूलों से विशेष रूप से सजाया जा रहा है। आज दोप. 12.15 बजे भगवान की आरती पश्चात गौमाता अन्नकूट को अन्नकूट लगाया जाएगा। तत्पश्चात वरिष्ठ समाजसेवियों प्रदीप मित्तल, राधा महेन्द्र गर्ग, बजरंगलाल हरभजनका, महेश बजाज का सम्मान किया जाएगा। अन्नकूट आयोजक श्री अग्रवाल पंचायत न्यास अध्यक्ष निमेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष शैलेन्द्र मित्तल, सचिव दीपक मित्तल, कोषाध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, अन्नकूट संयोजक न्यासी सी.ए. संजय अग्रवाल, मधुर चौधरी, रविप्रकाश बंसल, संदीप अग्रवाल, न्यासीगण विजय अग्रवाल, गोविन्द गोयल, जयकिशन अग्रवाल, एवं समाजजन भगवानदास एरन, विजय मित्तल (सिद्ध भैया), कैलाश मित्तल, जगदीश अग्रवाल, जगदीशप्रसाद गोयल, शैलेष मित्तल, विजय गर्ग (बुधवारिया), सुनील अग्रवाल (कंठाल), प्रकाश गर्ग, मोहनदास गोयल, दिनेश गर्ग, रमेश पहलवान, राजेश अग्रवाल दलाल, मुकेश मालाकंठी, प्रकाश हरभजनका, सुनील गोयल, अजीत मंगलम, नवयुवक मंडल अध्यक्ष इन्द्रेश अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, नयन अग्रवाल (चुरूवाले), अक्षत अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, यश गर्ग, शानू मित्तल, अंकुर गर्ग (खलानावाला), योगेश गोयल, तनय अग्रवाल, मानव गर्ग, विकास अग्रवाल, अर्पित गोयल आदि।

31 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक होगा 78वां वार्षिक निरंकारी संत समागम

आत्ममंथन की ज्योति से आलोकित निरंकारी संत समागम में उज्जैन के निरंकारी भक्त जायेंगे समालखा

उज्जैन। सतगुरु माता सुदीक्षाजी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमितजी की पावन छत्रछाया में 78वां वार्षिक निरंकारी संत समागम 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक हरियाणा के समालखा स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर अद्भुत दिव्यता और भव्यता के साथ आयोजित होने जा रहा है। आत्मीयता के इस उत्सव में उज्जैन सहित देश-विदेश से असंख्य श्रद्धालु भाग लेकर आनंद का अनुभव प्राप्त करेंगे, वहीं ब्रज के हजारों भक्त भी समालखा जायेंगे।

उज्जैन के मीडिया सहायक विनोद गज्जर ने बताया कि संत समागम केवल एक धार्मिक या वार्षिक आयोजन नहीं, अपितु ज्ञान, प्रेम और भक्ति का ऐसा पावन संगम है, जो ब्रह्मज्ञान द्वारा आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनता है। यहाँ श्रद्धालु न केवल आध्यात्मिक जागृति पाते हैं, बल्कि मानवता, विश्वबंधुत्व और आपसी सौहार्द की भावनाओं को भी आत्मसात करते हैं। यह आयोजन 'आत्ममंथन' की वह दिव्य भूमि है, जहाँ प्रत्येक साधक अपने अंतर्मन में झाँकने, आत्मचिंतन करने और आत्मिक चेतना को जागृत करने की प्रेरणा प्राप्त करता है। मथुरा के भक्तों के साथ ही देशभर के हज़ारों श्रद्धालुजन अपने-अपने क्षेत्रों से आकर श्रद्धा, समर्पण, तन्मयता और समर्पण भाव के साथ दिन रात समागम की तैयारियों में अपनी सेवाएं दे रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप निरंकारी आध्यात्मिक स्थल धरती पर स्वर्गमय अनुभूति का अहसास करा रहा है।

उज्जैन मुखी त्रिलोक बेलानी ने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि निरंकारी मिशन का उपदेश मानव से मानव का प्रेम हो निंदा नफरत की दीवारें खत्म हो हर एक मानव में ईश्वर का अंश देखा जाए यही निरंकारी मिशन का उद्देश्य है एवं इस मिशन में सतगुरु द्वारा पार ब्रह्म परमात्मा की जानकारी प्राप्त करते हुए सतगुरु की सिखलाई को धारण करते हुए अपनी भक्ति द्वारा किस तरह से सरल सहज जीवन अपनाते हुए अपने जीवन में खुशियां प्राप्त करते हुए जन्म मरण से मुक्ति मार्ग प्राप्त किया जा सकता है।

मथुरा के जोनल इंचार्ज एच के अरोड़ा के नेतृत्व में ब्रज के हजारों सेवादार और श्रद्धालु भक्त 29 और 30 अक्टूबर को बस, रेल तथा अपने नीजी वाहनों से निरंकारी संत समागम में भागीदारी करने जायेंगे। संत समागम का सम्पूर्ण आयोजन सतगुरु माता जी की दिव्य प्रेरणा और आशीर्वाद से संचालित हो रहा है। सतगुरु की यही मंगलकामना रहती है कि हर श्रद्धालु इस समागम में प्रेम, सम्मान और समुचित सुविधा का अनुभव करते हुए आध्यात्मिक रूप से परिपूर्ण हो। संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिंदर सुखीजा के अनुसार एक समय पर जो स्थल केवल एक सामान्य मैदान था, वह अब संतो की कर्मठ सेवा भावना के कारण एक भव्य शामियानों की सुंदर नगरी में परिवर्तित हो चुका है। यह दिव्य वातावरण प्रत्येक आगंतुक को अपनी ओर आकर्षित करता है।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रदेश कार्यसमिति बैठक में भाग लेंगे उज्जैन जिले के पदाधिकारी

उज्जैन। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रदेश कार्यसमिति की द्वितीय बैठक कान्हा किसल में भाग लेने हेतु 25 अक्टूबर को उज्जैन जिले के छह पदाधिकारीयो ने पंचवली एक्सप्रेस के द्वारा देवास रेल्वे स्टेशन से प्रस्थान किया।

उक्त जानकारी जिले के मंत्री मनीष पांडे ने देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रदेश कार्य समिति में बैठक भाग लेने हेतु प्रदेश के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र पुरोहित, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र राठौर, प्रदेश मंत्री डॉ राजेंद्र राजावत, संभाग महासचिव राजेंद्र अग्रवाल, जिला महासचिव डॉ. घनश्याम शर्मा आदि ने उज्जैन जिले से कान्हा किसल में द्वितीय प्रदेश कार्य समिति की बैठक में भाग लेने हेतु प्रस्थान किया है।

पत्रकार मनीष पांडे ने बताया कि पत्रकार संघ के समस्त पदाधिकारी गण 26 अक्टूबर को प्रातः 6 बजे नेनपुर स्टेशन पर पहुंच रिसोर्ट किंगफिशर में बैठक में भाग लेंगे। बैठक मैं भाग लेने के बाद 27 अक्टूबर को नेशनल कान्हा पार्क का भ्रमण करेंगे। तत्पश्चात सायंकाल 7 बजे पंचवली एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा 28 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे उज्जैन वापस आएंगे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com